संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य
स्थापना वर्ष : 2002
हिन्द जनपथ
पंचकूला
शुक्रवार
7 नवंबर, 2025
वर्ष:24 अंक: 134
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया
खबरें छापते हैं छुपाते नहीं
दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित।
www.hindjanpath.com

सांसद कार्तिकेय शर्मा ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर पंचकूला की तीन अहम सड़क परियोजनाओं पर की चर्चा

पेज-8

मोटी-मोटी बातें

यमुनानगर बस हादसे की जांच के आदेश, दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई: अनिल विज

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के परिवहन मंत्री श्री अनिल विज ने कहा है कि यमुनानगर बस हादसे की जांच के आदेश जारी कर दिए गए हैं और दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

श्री विज आज मीडिया कर्मियों द्वारा यमुनानगर के प्रतापनगर में हुई दुखद बस दुर्घटना के संबंध में पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे।

उन्होंने कहा कि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि हादसे की हर संभावना की जांच की जाए, चाहे वह बस की तकनीकी स्थिति से संबंधित हो या चालक की लापरवाही से। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर यदि गलती पाई जाती है तो कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि सुबह यमुनानगर के प्रतापनगर में एक बस में चढ़ने के दौरान कुछ छात्राएं फिसलकर नीचे गिर गईं, जिसमें एक छात्रा की मृत्यु हो गई तथा अन्य घायल हो गईं। घायल छात्राओं का उपचार जारी है।

गेंदबाजों के दम पर भारत ने बनाई 2-1 की बढ़त

करारा (ऑस्ट्रेलिया) – वॉशिंगटन सुंदर (तीन रन पर तीन विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने ऑस्ट्रेलिया को चौथे टी-20 मुकाबले में गुरुवार को 48 रन से हराकर सीरीज में 2-1 की महत्वपूर्ण बढ़त बना ली।

भारत ने शुभमन गिल (46), अभिषेक शर्मा (28),शिवम दुबे (22), कप्तान सूर्यकुमार यादव (20) और अक्षर पटेल (नाबाद 21) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत 20 ओवरों में आठ विकेट पर 167 रन का सम्मानजनक स्कोर बनाया। ऑस्ट्रेलियाई टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 18.2 ओवर में मात्र 119 रन पर ढेर हो गई। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने अच्छी शुरुआत की और पहले विकेट के लिए 37 जोड़े। कप्तान मिचेल मार्श ने 30 और मैथ्यू शॉर्ट ने 25 रन बनाये।

ऑस्ट्रेलिया एक समय दो विकेट पर 70 रन बनाकर अच्छी स्थिति में था लेकिन इसके बाद भारतीय गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के सामने उसने अपने अंतिम आठ विकेट 49 रन जोड़कर गंवा दिये। सुंदर ने तीन विकेट निकाले जबकि अक्षर पटेल और शिवम दुबे ने दो-दो विकेट लिये। अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह और वरुण चक्रवर्ती को एक-एक विकेट मिला। अक्षर पटेल को नाबाद 21 रन बनाने और दो विकेट लेने के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

भारत इस बढ़त के बाद अब सीरीज नहीं गंवा सकता और उसकी कोशिश अंतिम मैच जीतकर सीरीज कब्जाने की रहेगी। जबकि ऑस्ट्रेलिया आखिरी मैच में सीरीज बराबर करने के लक्ष्य के साथ उतरेगा।

इससे पहले आज यहां ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 56 रन जोड़े। सातवें ओवर में एडम जम्पा ने अभिषेक शर्मा को आउटकर ऑस्ट्रेलिया को पहली सफलता दिलाई। अभिषेक शर्मा ने 21 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए 28 रनों की पारी खेली।

भारत का दूसरा विकेट 12वें ओवर में शिवम दुबे के रूप में गिरा। उन्हें नेथन एलिस ने बोल्ड आउट किया। दुबे ने 18 ओवर में एक चौका और एक छक्का लगाते हुए 22 रन बनाये। इसके बाद एलिस ने 15वें ओवर में शुभमन गिल को बोल्डकर भारत के स्कोर पर अंकुश लगाने का काम किया। शुभमन गिल ने 39 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए 46 रन बनाये। अगले ही ओवर में जेवियर बार्टलेट ने सूर्यकुमार यादव को अपना शिकार बना लिया। सूर्यकुमार यादव ने 10 गेंदों में दो छक्के लगाते हुए 20 रन बनाये। तिलक वर्मा (पांच) जितेश शर्मा (तीन), वॉशिंगटन सुंदर (12) और अर्शदीप सिंह (शून्य) पर आउट हुये। भारत ने निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 167 रनों का स्कोर खड़ा किया। जो अंततः मैच विजयी साबित हुआ। अक्षर पटेल 11 गेंदों में 21 रन बनाकर नाबाद रहे।

ऑस्ट्रेलिया के लिए नेथन एलिस और एडम जम्पा ने तीन-तीन विकेट लिये। जेवियर बार्टलेट और मार्कस स्टॉयनिस ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

ईडी ने धन शोधन मामले में क्रिकेटर रैना और धवन की 11.14 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की

नयी दिल्ली– प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरूवार को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत पूर्व भारतीय क्रिकेटरों सुरेश रैना और शिखर धवन की 11.14 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्ति कुर्क की।

कुर्की में सुरेश रैना के नाम पर 6.64 करोड़ रुपये मूल्य के म्यूचुअल फंड निवेश और शिखर धवन के नाम पर 4.5 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्ति शामिल है।

ईडी ने यहां जारी एक बयान में दोनों क्रिकटरों की चल और अचल संपति की कुर्की की पुष्टि करते हुए कहा कि उसकी जाँच विभिन्न राज्य पुलिस एजेंसियों द्वारा अवैध अवैध विदेशी सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म 1xबीईटी के खिलाफ दर्ज की गयी कई प्राथमिकियों पर आधारित है।

गौरतलब है कि 1xबीईटी एक ऑनलाइन जुआ कंपनी है। कंपनी की स्थापना 2007 में हुई थी और इसका मुख्यालय साइप्रस में है।

ईडी की जाँच से पता चला है कि 1xबीईटी और उसके सरोगेट ब्रांड 1xबीएटी और 1xबीएटी स्पोर्टिंग लाइन्स ने पूरे भारत में अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए के संचालन को बढ़ावा दिया।

एजेंसी की जाँच से पुष्टि हुई कि दोनों क्रिकेटरों ने जानबूझकर 1xबीईटी के प्रतिनिधियों के माध्यम से उसे बढ़ावा देने के लिए विदेशी संस्थाओं के साथ विज्ञापन समझौते किए। ये विज्ञापन, अवैध सट्टेबाजी गतिविधियों से होने वाली आय, धन के अवैध स्रोत को छिपाने के लिए विदेशी संस्थाओं के माध्यम से भुगतान के बदले में किए गए थे।

बिहार :प्रथम चरण की 121 सीटों पर करीब 65 प्रतिशत हुआ मतदान, 1314 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला ईवीएम में बंद

पटना – बिहार विधानसभा के प्रथम चरण के चुनाव में त्रिस्तरीय कड़ी सुरक्षा के बीच गुरुवार को 121 विधानसभा क्षेत्र में हुए मतदान में करीब 65 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर 1314 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में बंद कर दिया।

प्रथम चरण के चुनाव में कुल तीन करोड़ 75 लाख 13 हजार 302 मतदाताओं के करीब 65 प्रतिशत वोटरों ने लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर बिहार के दो उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी तथा विजय कुमार सिन्हा, महागठबंधन से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव,राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद के बड़े पुत्र तेज प्रताप यादव समेत 1314 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला ईवीएम में बंद कर दिया।

प्रथम चरण में 121 विधानसभा सीटों के लिये 45341 मतदान केंद्रों पर वोटिंग सुबह सात बजे शुरू हुयी। सुरक्षा कारणों से मुंगेर जिले की तीन सीटें तारापुर,मुंगेर और जमालपुर के अलावा सहरसा जिले की सिमरी बख्तियारपुर ,महिषी और लखीसराय जिले की सूर्यगढ़ा सीट के 56 मतदान केन्द्रों पर मतदान शाम पांच बजे समाप्त हो गया, वहीं अन्य सीटों पर मतदान शाम छह बजे समाप्त हुआ।

आज के मतदान में जिन दिग्गजों की किस्मत का फैसला मतदाताओं ने किया उनमें राजग से दोनों उप मुख्यंमत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, 15 मंत्री विजय कुमार चौधरी,श्रवण कुमार,मंगल पाण्डे,मदन सहनी,नितिन नवीन,महेश्वर हजारी,सुनील कुमार,रत्नेश सदा,केदार प्रसाद गुप्ता, सुरेन्द्र मेहता,संजय सरावगी, डा. सुनील कुमार, जिवेश कुमार,राजू कुमार सिंह और कृष्ण कुमार मंटू के अलावा बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष नरेन्द्र नारायण यादव, राम कृपाल यादव,श्याम रजक, अनंत सिह, अमरेन्द्र पांडेय, हरिनारायण सिंह, उमेश कुशवाहा और मैथिली ठाकुर शामिल हैं।

इसी तरह महागठबंधन से जिन दिग्गज नेताओं के भाग्य का फैसला मतदाताओं ने किया उनमें मुख्यमंत्री पद का चेहरा तेजस्वी यादव के अलावा अवध बिहारी चौधरी,डा. रामानंद यादव, वीणा देवी,ललित कुमार यादव,विजेन्द्र चौधरी, रेणु कुशवाहा, खेसारी लाल यादव,आलोक मेहता,भाई वीरेन्द्र, अनिरूद्ध यादव,अवधेश राय शामिल है।इसके अलावा तेज प्रताप यादव, आईपी गुप्ता, शिवदीप लांडे,आनंद मिश्रा, वी.के.रवि, जयप्रकाश सिंह, आर.के.मिश्रा, राम नारायण सिंह, पुष्पम प्रिया, के.सी. सिन्हा समेत अन्य उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला भी आज मतदाताओं ने ईवीएम में बंद कर दिया । प्रथम चरण के चुनाव में राजग के घटक जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के 57, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 48, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के 13 और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के दो उम्मीदवारों ने अपनी किस्मत आजमाई। वहीं महागठबंधन के घटक राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के 71, कांग्रेस के 24, भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी लेनिनवादी (भाकपा माले) के 14, विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के छह,भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के पांच, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और इंडियन इंक्लूसिव पार्टी (आईआईपी) के तीन-तीन उम्मीदवार भी चुनावी मैदान में थे। प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज से 118 उम्मीदवार चुनावी मैदान में अपना भाग्य आजमाया।

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार में "अभूतपूर्व बहुमत" मिलने का विश्वास जताया

नयी दिल्ली– प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के बीच विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) राज्य में 'अभूतपूर्व बहुमत' हासिल करेगा।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, 'बिहार में लोकतंत्र के महापर्व में जन-जन का अद्भुत उत्साह बता रहा है कि विधानसभा चुनावों में राजग को अभूतपूर्व बहुमत मिलने जा रहा है।' विदित हो कि राज्य की 243 विधानसभा सीटों में से लगभग आधी सीटों के लिए मतदान किया जा रहा है। इसमें 18 जिलों के 121 निर्वाचन क्षेत्रों में मत डाले जा रहे हैं। इस चरण में लगभग 3.75 करोड़ मतदाता वोट डालने के पात्र हैं।

दुनिया तेजी से बदल रही है, आगे रहने के लिए हमें मिलकर काम करना होगा: सीतारमण

मुंबई– केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि वर्तमान समय में दुनिया तेजी से बदल रही है और देश को आगे बनाये रखने के लिए हमें मिलकर काम करने की जरूरत है।

श्रीमती सीतारमण ने यहां 12वें एसबीआई बैंकिंग एवं आर्थिक सम्मेलन 2025 को संबोधित करते हुए कहा, "आत्मनिर्भरता का मार्ग साहस, सहयोग और खुद को निरंतर परिस्थितियों के अनुकूल ढालने का मार्ग है। हमारे आसपास की दुनिया पहले से कहीं अधिक तेजी से बदल रही है। आगे बने रहने के लिए भारत को एकजुट होकर कार्य करना होगा - सरकार, उद्योग और नागरिक - सभी को अपना योगदान देना होगा।' उन्होंने कहा कि 'सबका प्रयास' केवल एक नारा नहीं है, यह निरंतर प्रगति की कुंजी है।"

आत्मनिर्भर भारत के विजन पर बोलते हुए उन्होंने इसके पांच आयामों की उल्लेख किया और उस दिशा में मोदी सरकार के प्रयासों के बारे में जानकारी दी। ये पांच आयाम हैं - आर्थिक आत्मनिर्भरता, सामाजिक आत्मनिर्भरता, तकनीकी आत्मनिर्भरता, रणनीतिक आत्मनिर्भरता और ऊर्जा आत्मनिर्भरता।

वित्त मंत्री ने कहा कि भारत एक विशाल और खास तरह की विविधता वाला देश है और हम दूसरे देशों की नकल करके आगे नहीं बढ़ सकते। आर्थिक आत्मनिर्भरता का हमारा मार्ग हमारी अपनी वास्तविकताओं, आवश्यकताओं और आकांक्षाओं के अनुसार तय होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में पूंजीगत आवंटन पांच गुना बढ़कर 11.21 लाख करोड़ रुपये हो गया है, देश के 23 शहरों में मेट्रो रेल चल रही है या बन रही है, बंदरगाह क्षमता दोगुनी हो गयी है।

सामाजिक आत्मनिर्भरता के लिए 'अंत्योदय' को जरूरी बताते हुए उन्होंने कहा कि हमें संरक्षण-आधारित समर्थन से अपरिवर्तनीय सशक्तिकरण और स्वतंत्रता की ओर बदलाव की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रतापनगर बस दुर्घटना पर जताया दु:ख

मृतक छात्रा के परिजनों को 2.5 लाख रुपये व घायलों को सहायता राशि की स्वीकृत

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यमुनानगर के प्रतापनगर बस स्टैंड पर वीरवार को हुई बस दुर्घटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। उन्होंने दुर्घटना में घायल छात्राओं के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए दिवंगत छात्रा के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कठिन समय में सरकार प्रभावित परिवार के साथ खड़ी है और हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि हरियाणा राज्य परिवहन यमुनानगर की बस संख्या HR58 GV 6578 पौंटा साहिब से दिल्ली जाते हुए आज सुबह प्रतापनगर बस स्टैंड पर हादसाग्रस्त हो गई। चलती बस में चढ़ने का प्रयास कर रही कुछ छात्राएं नीचे गिर गईं, जिनमें से पांच छात्राएं घायल हो गई तथा एक छात्रा की उपचार के दौरान पी.जी.आई. चंडीगढ़ में मृत्यु हो गई।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने मृतक छात्रा के परिजनों को 2 लाख 50 हजार रुपये की तात्कालिक सहायता राशि स्वीकृत की है। साथ ही, अन्य पाँच घायल छात्राओं के लिए 50-50 हजार रुपये की तात्कालिक सहायता राशि, निःशुल्क उपचार तथा चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति की स्वीकृति भी दी है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि हरियाणा राज्य परिवहन की सभी बसें बीमाकृत हैं, जिससे यात्रियों को किसी भी अप्रत्याशित स्थिति में बीमा सुरक्षा कवरेज का लाभ प्राप्त होता है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि बीमा प्रक्रिया को सुचारु रूप से संचालित कर प्रभावित परिवारों को शीघ्र सहायता सुनिश्चित की जाए।

श्री सैनी ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि घायलों का समुचित उपचार सुनिश्चित किया जाए तथा जिला प्रशासन मामले पर लगातार निगरानी रखे। उन्होंने अपील की कि छात्र–छात्राएं तथा आम नागरिक यात्रा के दौरान पूर्ण सावधानी बरतें और चलती बस में चढ़ने या उतरने का प्रयास न करें।

'वंदे मातरम' गीत के 150 साल पूरे

हरियाणा में राज्य स्तरीय समारोह 7 नवम्बर को

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार द्वारा राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 7 नवम्बर को प्रदेशभर में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जो राष्ट्रभक्ति, एकता और सांस्कृतिक गौरव से ओत-प्रोत होंगे। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी अंबाला में राज्य स्तरीय समारोह की अध्यक्षता करेंगे।

जिला मुख्यालयों पर आयोजित कार्यक्रमों में विभिन्न मंत्रिगण, सांसद, विधायक और अन्य गणमान्य व्यक्ति मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यदि किसी कारणवश कोई मुख्य अतिथि कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाता है, तो संबंधित उपायुक्त समारोह की अध्यक्षता करेंगे।

मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी एक पत्र के अनुसार, अंबाला जिले के नारायणगढ़ में श्री पवन सैनी, मुलाना में श्रीमती संतोष सारवान तथा अंबाला शहर में श्री असीम गोयल मुख्य अतिथि रहेंगे।

भिवानी शहर में श्रीमती श्रुति चौधरी के साथ विधायक श्री घनश्याम दास सर्राफ, लोहारू में श्री जय प्रकाश दलाल और बवानीखेड़ा में विधायक श्री कपूर सिंह कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

चरखी दादरी में लोकसभा सांसद श्री धर्मबीर सिंह और विधायक श्री सुनील सतपाल सांगवान तथा बाढड़ा में विधायक श्री उमेद सिंह अतिथि रहेंगे।

फरीदाबाद में केंद्रीय मंत्री श्री कृष्णपाल गुर्जर जबकि बड़खल में विधायक श्री धनेश अदलखा, फरीदाबाद एनआईटी में श्री सतीश कुमार फागना, बल्लभगढ़ में श्री मूलचंद शर्मा और पृथला में श्री टेकचंद शर्मा कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। फतेहाबाद में राज्यसभा सांसद श्रीमती किरण चौधरी के साथ श्री दूड़ाराम, टोहाना में श्री देवेन्द्र सिंह बबली और रतिया में श्रीमती सुनीता दुग्गल उपस्थित रहेंगी।

मनोहर लाल, माननीय केंद्रीय विद्युत, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री ने एनएचपीसी लिमिटेड की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में स्मारक सिक्का जारी किया

हिन्द जनपथ
फरीदाबाद(ब्यूरो)। श्री मनोहर लाल, माननीय केंद्रीय विद्युत, आवासन और शहरी कार्य मंत्री जी ने 6 नवंबर 2025 को नई दिल्ली में एनएचपीसी के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 50 रुपये का एक स्मारक सिक्का जारी किया। इस अवसर पर श्री पंकज अग्रवाल, सचिव (विद्युत), विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार, श्री भूपेंद्र गुप्ता, अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी और श्री उत्तम लाल, निदेशक (कार्मिक), एनएचपीसी भी उपस्थित थे। विद्युत मंत्रालय के अधीन भारत की अग्रणी जलविद्युत नवरत्न कंपनी एनएचपीसी लिमिटेड, 7 नवंबर 2025 को अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूरे करने के उपलक्ष्य में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर चिन्हित कर रही है।

इस अवसर पर एनएचपीसी लिमिटेड को बधाई देते हुए, माननीय केंद्रीय विद्युत, आवास और शहरी कार्य मंत्री जी ने कहा कि भारत सरकार द्वारा स्मारक सिक्का जारी करना एनएचपीसी की स्थायी विरासत और भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता में इसके रणनीतिक योगदान को मान्यता प्रदान करता है। यह स्मारक सिक्का एनएचपीसी की राष्ट्र के प्रति नवाचार और सेवा की इसकी उल्लेखनीय यात्रा का सम्मान करता है।

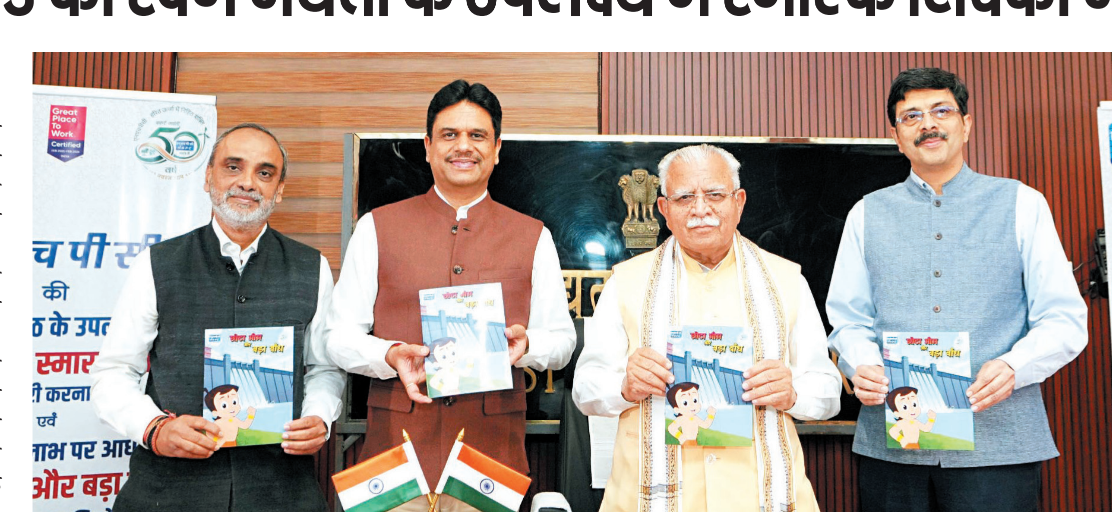

इसके साथ ही माननीय मंत्री जी ने 'छोटा भीम और बड़ा बांध' नामक एनएचपीसी की एक विशेष कॉमिक बुक का भी विमोचन किया, जो 'छोटा भीम' और उसके सहायक पात्रों पर आधारित है, जिसका उद्देश्य आकर्षक कहानी और जीवंत चित्रों के माध्यम से बच्चों और आम जनता तक जलविद्युत के महत्व और लाभों का संदेश पहुँचाना है।

इस ऐतिहासिक अवसर पर श्री भूपेंद्र गुप्ता, अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी ने माननीय केंद्रीय विद्युत, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री जी के प्रति उनके बहुमूल्य मार्गदर्शन और सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने विद्युत मंत्रालय के निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन के लिए भी धन्यवाद दिया। उन्होंने आगे कहा कि एनएचपीसी की स्वर्ण जयंती के अवसर पर भारत सरकार द्वारा जारी किया गया 50 का स्मारक सिक्का, एनएचपीसी की शानदार यात्रा और राष्ट्र की ऊर्जा आत्मनिर्भरता प्राप्त करने में इसके महत्वपूर्ण योगदान के प्रति एक सम्मान है। यह ऐतिहासिक पहल न केवल एनएचपीसी की असाधारण उपलब्धियों को मान्यता प्रदान करती है, बल्कि आने वाले वर्षों में निरंतर उत्कृष्टता के लिए प्रेरणा का एक स्थायी स्रोत भी है। पिछले पाँच दशकों में, एनएचपीसी ने कुछ सबसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में ऐतिहासिक जलविद्युत परियोजनाओं का क्रियान्वयन किया है। साथ ही सौर, पवन और हरित हाइड्रोजन ऊर्जा में भी विविधता लाते हुए, 100% हरित ऊर्जा कंपनी के रूप में अपनी स्थिति को सुदृढ़ किया है। अपने 30 पावर स्टेशनों से 8333 मेगावाट की संस्थापित क्षमता और 9704 मेगावाट की निर्माणाधीन क्षमता वाली 14 परियोजनाओं के साथ, एनएचपीसी भारत की ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ करने और स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा की ओर देश के एनर्जी ट्रांजिशन लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

चार लेन परियोजना में देरी पर हिमाचल हाईकोर्ट सख्त; अधिवक्ता गणेश बरौवालिया ने बतौर एमिकस क्यूरी सहायता दी

शिमला । हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्री जी.एस. संधावालिया और न्यायमूर्ति श्री जिया लाल भारद्वाज की खंडपीठ ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को परवाणूङ्कसोलनङ्ककैठलीघाटङ्कशिमला चार लेन परियोजना में छह वर्षों की देरी और खराब रखरखाव को लेकर कड़ी फटकार लगाई। ÷कोर्ट ऑन इट्स ओन मोशन बनाम एनएचएआई एंड अदर्स÷ तथा ष्ट्ढ्ढक्कह्रु संख्या 45/2025 (उत्तांश मोंगा बनाम राज्य एवं अन्य) के साथ जुड़ी सुनवाई में अधिवक्ता गणेश बरौवालिया ने बतौर एमिकस क्यूरी न्यायालय की सहायता की, और सड़क की स्थिति व पूर्व आदेशों के अनुपालन पर महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। अदालत ने कहा कि एनएचएआई का ÷परियोजना लगभग पूर्ण÷ का दावा वास्तविक स्थिति से मेल नहीं खाता और कई हिस्से–खासकर कंडाघाट, डाट्यार और चक्की के पास–अभी भी अत्यंत दयनीय अवस्था में हैं। न्यायालय ने राज्य सरकार और एनएचएआई को आदेश दिया कि 10 दिनों के भीतर सभी मरम्मत व ढलान सुरक्षा कार्य पूरे करें, अन्यथा सनवाड़ा टोल प्लाज़ा पर टोल वसूली पर रोक जारी रहेगी। अदालत ने यह भी कहा कि सड़कों के किनारे की नालियों की सफाई और मलबे को हटाना अत्यावश्यक है ताकि आगे सड़क को नुकसान न हो।

न्यायालय ने अधिवक्ता गणेश बरौवालिया द्वारा एमिकस क्यूरी के रूप में दी गई सक्रिय सहायता और न्यायहित में उनके योगदान की सराहना की।मामले की अगली सुनवाई 11 नवम्बर 2025 को होगी।

रोजगार का सुनहरा अवसर भरे जायेंगे 50 पद: राजेश कुमार पुरी

धर्मशाला । राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, धर्मशाला के प्रधानाचार्य राजेश कुमार पुरी ने जानकारी देते हुए बताया है कि 11 नवंबर, 2025 (मंगलवार) को औरो टेक्सटाईल समूह वर्धमान टेक्सटाइल्स लिमिटेड, साईं रोड बद्दी, हि? प्र? द्वारा कैंपस साक्षात्कार का आयोजन किया जा रहा है जिसमें 50 पदों को भरा जाना प्रस्तावित है। इस साक्षात्कार में आईटीआई प्रशिक्षित युवा (फिटर और इलेक्ट्रीशियन) व युवतियों (सिलाई तकनीक और फैशन डिजाइन और तकनीक) जिन्होंने उक्त व्यवसायों में प्रशिक्षण पूरा कर लिया है, वे इस साक्षात्कार में भाग ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि 18 से 26 साल तक की उम्र के उम्मीदवार युवक जिसकी लंबाई 5 फुट 5 इंच और युवतियां जिनकी लम्बाई 5 फुट 2 इंच साक्षात्कार में भाग ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि शैक्षणिक योग्यता दसवीं, जमा दो तथा आईटीआई (एनसीवीटी) रखी गई हैं। उम्मीदवार को ईपीएफ, ईएसआई, ग्रेच्युटी, बोनस, कैंटीन, आवास जैसी सुविधाएं दी जाएगी तथा मानदेय 12750 रूपये बेसिक स्टाइपेंड के साथ एक हजार रुपये अटेंडेंस भत्ता दिया जायेगा तथा 4 से 5 महीने के बाद 18433 रुपये सीटीसी दिया जाएगा। प्रधानाचार्य ने बताया है कि इच्छुक अभ्यार्थी दिनांक 11 नवंबर 2025 सुबह 10:00 बजे तक राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, धर्मशाला में आकर भाग ले सकते हैं। साक्षात्कार में भाग लेने वाले उम्मीदवार अपने साथ दसवीं व आईटीआई के मूल प्रमाण पत्र, आधार कार्ड व 3 फोटोग्राफ तथा अन्य सभी प्रमाण पत्रों की फोटो कॉपियाँ लेकर आयें। अधिक जानकारी के लिये संबंधित कंपनी की अधिकारी शवेता त्रिपाठी के मोबाइल नम्बर 88947.89730 पर सम्पर्क कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि साक्षात्कार में केवल हिमाचल के उम्मीदवार भाग ले सकते हैं।

50 पदों के लिए 13 नवम्बर को होंगे कैंपस इंटरव्यू

सोलन। मैसर्ज़ एसआईएस लि. आर.टी.ए. हमीपुर में सिक्योरटी गार्ड व सिक्योरटी सुपरवाईजर के कुल 50 पदों पर भर्ती के लिए कैंपस इंटरव्यू 13 नवम्बर, 2025 को उप रोज़गार कार्यालय नालागढ़ में आयोजित किए जाएंगे। यह जानकारी ज़िला रोज़गार अधिकारी सोलन जगदीश कुमार ने दी। जगदीश कुमार ने कहा कि उक्त पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता 10वीं व विशिष्ट शारीरिक मापदंड ऊंचाई 168 सेमी, वज़न 52-95 किलोग्राम व आयु 19 से 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इन पदों की विस्तृत जानकारी आवेदक विभागीय पोर्टल ई.ई.एम.आई.एस. में प्राप्त कर सकते हैं। सभी योग्य एवं इच्छुक आवेदक विभागीय पोर्टल ई.ई.एम.आई.एस. पर कैंडिडेट लॉगइन टैब के माध्यम से पंजीकृत करने के उपरांत अपनी रेजिस्ट्रेशन प्रोफाइल पर अधिसूचित रिक्तियों के लिए अपनी शैक्षणिक योग्यता के आधार पर आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आवेदन करने से पूर्व प्रत्येक आवेदक का नाम रोज़गार कार्यालय में पंजीकृत होना अनिवार्य है। ज़िला रोज़गार अधिकारी ने इच्छुक उम्मीदवार से अपनी योग्यता सम्बन्धी सभी अनिवार्य प्रमाण पत्रों व दस्तावेज़ों सहित उप रोज़गार कार्यालय नालागढ़ में 13 नवम्बर, 2025 को प्रातः 10.30 बजे पहुंचकर कैंपस इंटरव्यू में भाग ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि कैंपस इंटरव्यू में भाग लेने के लिए कोई भी यात्रा-भत्ता देय नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अधिक जानकारी के लिए उम्मीदवार मोबाइल नम्बर 82199-71112 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

बधल-बस्सी-नंगल चैक रोड यातायात के लिए रहेगा बंद - उपायुक्त

धर्मशाला । उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा ने मोटर वाहन अधिनियम, 1988 में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए अधिसूचना जारी की है कि देहरा उपमंडल के अन्तर्गत बधल-बस्सी-नंगल चैक सड़क के मरम्मत कार्य के चलते 08 नवंबर 2025 से 23 नवंबर 2025 तक हर प्रकार के यातायात के लिए पूर्ण रूप से बंद रहेगा। इस दौरान गाड़ियों की आवाजाही के लिए बधल पुल से जंबल बस्सी वाया कनोई पनियमल मार्गों का उपयोग किया जाएगा। उन्होने लोगों से सहयोग की अपील की है।

सुनेहत से बस्सी रोड यातायात के लिए रहेगा बंद - उपायुक्त

धर्मशाला । उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा ने मोटर वाहन अधिनियम, 1988 में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए अधिसूचना जारी की है कि देहरा उपमंडल के अन्तर्गत सुनेत से बस्सी सड़क के मरम्मत कार्य के चलते 08 नवंबर 2025 से 08 दिसंबर 2025 तक हर प्रकार के यातायात के लिए पूर्ण रूप से बंद रहेगा। इस दौरान गाड़ियों की आवाजाही के लिए लंबी पुखर से घयोरी तथा देही पुखर से बाल्स पुखर मार्गों का उपयोग किया जाएगा। उन्होने लोगों से सहयोग की अपील की है।

एडीसी ने दिए एससी-एसटी से संबंधित मामलों के शीघ्र निपटाने के निर्देश

धर्मशाला । अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 एवं नियम 1995 के अन्तर्गत जिला कांगड़ा में गठित जिला स्तरीय सतर्कता एवं प्रबोधन समिति की बैठक उपायुक्त कार्यालय के सभागार में अतिरिक्त उपायुक्त विनय कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में अनुसूचित जाति एवं जनजाति अधिनियम के तहत न्यायालय एवं पुलिस से संबंधित लंबित व रद्द मामलों के बारे में समीक्षा की गई तथा अतिरिक्त उपायुक्त विनय कुमार ने अनुसूचित जाति एवं जनजाति से संबंधित मामलों को शीघ्र निपटाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि न्याय में देरी न्याय न मिलने के समान है। इसलिए संबंधित मामलों की तफ्तीश कर उनका समय पर निपटान सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर जिला कल्याण अधिकारी साहिल मांडला, पुलिस अधिकारी, जिला न्यायवादी अधिकारी तथा गैर सरकारी सदस्य उपस्थित रहे।

कांगड़ा जिला में पंचायत स्तर पर गठित होंगी एंटी चिट्टा कमेटियां: डीसी

- चिट्टा से सबसे अधिक प्रभावित पंचायतों को चिह्नित करने के दिए निर्देश
- समितियों की हर माह नियमित रूप से आयोजित होगी बैठक

धर्मशाला। उपायुक्त हेमराज बैरवा ने कहा कि कांगड़ा जिला में पंचायत स्तर पर एंटी चिट्टा तथा नशा निवारण समितियां गठित की जाएंगी इस के लिए पंचायती राज विभाग के निर्देश जारी किए गए हैं। समितियों की हर माह नियमित रूप से बैठक आयोजित की जाएंगी, जिसमें क्षेत्र में चिट्टा व चिट्टा से सम्बन्धित गतिविधियों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर इसे कानून प्रवर्तन एजेंसियों से साझा किया जाएगा। ये समितियां स्कूलों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर नशा निवारण व इससे होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेंगी।

एंटी चिट्टा तथा नशा निवारण को लेकर कार्ययोजना तैयार करने के लिए वीरवार को डीसी आफिस के एनआईसी सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त हेमराज बैरवा ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में मादक पदार्थों और नशे के सेवन एवं अवैध कारोबार को रोकने के लिए चिट्टे के खिलाफ निर्णायक लड़ाई आरम्भ की है तथा मुख्यमंत्री स्वयं इस अभियान की मॉनिटरिंग सुनिश्चित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांगड़ा जिला में पंचायत स्तर तक की जाने वाली यह कार्रवाई अब तक चिट्टा के खिलाफ सबसे बड़ा प्रहार होगा। इस अभियान में सरकार के प्रतिनिधि, पुलिस, विभिन्न विभाग, स्वयं सेवी संस्थाएं तथा विद्यार्थी और अन्य लोग विभिन्न स्तरों पर कार्य करेंगे। इस दौरान नशा निवारण जागरूकता पर भी विशेष ध्यान केन्द्रित किया जाएगा।

अभियान के दौरान जिला, उपमंडल और अन्य स्तरों पर भी एंटी चिट्टा रैलियां आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग कांगड़ा जिला में चिट्टा से सबसे अधिक प्रभावित पंचायतें चिन्हित कर रहा है इन पंचायतों पर विशेष ध्यान केन्द्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महाविद्यालयों में एंटी चिट्टा वालंटियर तैयार किये जाएंगे। पुलिस विभाग द्वारा अभियान को सफल बनाने के लिए वृहद रूपरेखा तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि नशा निवारण समितियां पंचायत स्तर पर नशा निवारण, चिट्टे के अवैध कारोबार को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। इसके साथ ही चिट्टे में संलिप्त पाए जाने वाले दोषियों की संपत्तियां तथा अतिक्रमण को हटाने के लिए सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश संबंधित एसडीएम तथा पुलिस प्रशासन को दी दिए गए हैं जबकि एनडीपीएक्ट के तहत संलिप्त पाए जाने वाले कर्मचारियों तथा अधिकारियों के खिलाफ भी उचित कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इस अवसर पर एडीएम विनय कुमार, एएसपी वीर बहादुर, देहरा तथा पालमपुर के जिला वन अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी विवेक करोल, पंचायती राज, शिक्षा विभाग के अधिकारियों उपस्थित थे जबकि वर्चुअल माध्यम से एसपी देहरा मंयक चैधरी, प्रिंसिपल टांडा मेडिकल कालेज मिलाप भी जुड़े रहे।

मुख्यमंत्री ने विद्युत परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देश दिए

शिमला । मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने हिमाचल प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीपीसीएल) की कार्य प्रणाली की समीक्षा कर निर्माणाधीन जल विद्युत परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने 450 मेगावाट की शोंग टोंग विद्युत परियोजना की समीक्षा की और इसे दिसंबर, 2026 तक पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परियोजना का 60 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा हो चुका है और शेष कार्य को पूरा करने के लिए इसमें तेजी लाने की आवश्यकता है। इस परियोजना से समय पर बिजली उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने समानांतर ट्रांसमिशन लाइन स्थापित करने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने 130 मेगावाट की काशांग-II और III, 48 मेगावाट की चांजू- III, 40 मेगावाट की रेणुका बांध और 191 मेगावाट की थाना प्लाऊं जल विद्युत परियोजनाओं की प्रगति पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं को तय समयसीमा में पूरा करने के निदेर्शों की सख्ती से अनुपालना से सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने पंप भंडारण परियोजनाओं की स्थापना पर बल दिया और निगम को प्रस्तावित 1630 मेगावाट की रेणुकाजी पंप भंडारण परियोजना और 270 मेगावाट की थाना प्लाऊं पंप भंडारण परियोजना पर जल्द से जल्द काम शुरू करने को कहा। उन्होंने कहा कि पंप भंडारण परियोजनाएं व्यस्त समय में बिजली की आपूर्ति करने और ग्रिड पर भार कम करने में उपयोगी हैं।

उन्होंने कहा कि हरित ऊर्जा का दोहन राज्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि एचपीपीसीएल कार्यान्वित की जा रही सौर ऊर्जा परियोजनाओं के कार्यों में भी तेजी लाना सुनिश्चित करें। उन्होंने निगम को राज्य भर में नई सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करने के लिए नए स्थानों की पहचान करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने नालागढ़ में प्रस्तावित एक मेगावाट हरित हाइड्रोजन संयंत्र की भी समीक्षा की और परियोजना को जून, 2026 के अंत तक पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने निगम को अपनी कार्यशैली में व्यावसायिकता अपनाने के निर्देश देते हुए कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने अगले वर्ष तक हिमाचल प्रदेश को देश का हरित ऊर्जा राज्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

बैठक में मुख्य सचिव संजय गुप्ता, सचिव ऊर्जा राकेश कंवर, प्रबंध निदेशक एचपीपीसीएल आबिद हुसैन सादिक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शिमला में उपस्थित रहे, जबकि मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार राम सुभग सिंह वर्चुअल माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

डिजिटल कदम, सुरक्षित भुगतान — कांगड़ा केंद्रीय सहकारी बैंक में शुरू हुई क्यूआर कोड सुविधा

बैंक के प्रशासक विनोद कुमार ने किया शुभारंभ

धर्मशाला । कांगड़ा केंद्रीय सहकारी बैंक में क्यूआर कोड भुगतान प्रणाली (त्तक्रष्टश्स्रद्ग) की नई सुविधा का शुभारंभ बैंक के प्रशासक विनोद कुमार (आईएएस) ने किया। इस सुविधा के माध्यम से बैंक के ग्राहक अब अपने मोबाइल फोन से तेज, सुरक्षित और सरल तरीके से डिजिटल लेनदेन कर सकेंगे। यह पहल बैंकिंग सेवाओं को आधुनिक और ग्राहकों के लिए अधिक सुविधाजनक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बैंक के महाप्रबंधक राकेश शर्मा ने बताया कि इस सुविधा का उद्देश्य ग्राहकों को डिजिटल माध्यमों से उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करना है। क्यूआर कोड प्रणाली के माध्यम से बैंक ग्राहकों और व्यापारियों को सरल एवं सुरक्षित भुगतान का माध्यम उपलब्ध करा रहा है, जो डिजिटल इंडिया अभियान के अनुरूप है।

उन्होंने बताया कि यह सुविधा बैंक की सभी शाखाओं में उपलब्ध करवाई जा रही है। इस प्रणाली से नकदरहित लेनदेन को बढ़ावा मिलेगा तथा बैंकिंग सेवाएं और अधिक प्रभावी व सुरक्षित बनेंगी।

कांगड़ा हवाई अड्डे के विस्तार के लिए 460 करोड़ रुपये वितरित, 1899 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि शीघ्र की जाएगी वितरित

- मुख्यमंत्री ने पर्यटन विभाग की विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा की

शिमला। पर्यटन विभाग द्वारा कार्यान्वित की जा रही विभिन्न पर्यटन परियोजनाओं की आज यहां समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि कांगड़ा हवाई अड्डे के विस्तार के लिए भूमि अधिग्रहण के लिए 460 करोड़ रुपये की भूमि आवंटन राशि जारी कर लाभार्थियों को वितरित कर दी गई है, जबकि 1899 करोड़ रुपये की अन्य आवंटन राशि शीघ्र ही वितरित की जाएगी। उन्होंने कहा कि कांगड़ा हवाई अड्डे का विस्तार अत्यंत महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इससे न केवल कांगड़ा जिले की बल्कि राज्य के आसपास के जिलों की अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा, जिससे इस क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि हवाई अड्डे के विस्तार से क्षेत्र में हाई एंड टूरिस्ट भी आकर्षित होंगे।

मुख्यमंत्री ने राज्य में हेलीपोर्ट स्थापित करने के लिए कार्यान्वित की जा रही परियोजना की भी समीक्षा की और इनके निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संजौली और रामपुर हेलीपोर्ट के लिए डीजीसीए से परिचालन प्राधिकरण प्राप्त हो गया है और निर्देश दिए कि शेष आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद शीघ्र ही परिचालन शुरू किया जाना चाहिए। उन्होंने मंडी जिले के कंगनीधार, कांगड़ा जिले के रक्कड़ और पालमपुर, कुल्लू जिले के सुल्तानपुर, किन्नौर जिले के रिकांगपिओ और हमीरपुर जिले के जसकोट में स्थापित किए जा रहे अन्य हेलीपोर्ट के निर्माण कार्य की भी समीक्षा की और अधिकारियों को अगले वर्ष तक इन परियोजनाओं को पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पर्यटकों के लिए बेहतर हवाई संपर्क से इन क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि पर्यटकों की सुविधा के दृष्टिगत हेलीकॉप्टर संचालन के लिए नए मार्गों की पहचान कर उन्हें शुरू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है और वर्तमान राज्य सरकार पर्यटन को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दे रही है। ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बिलासपुर जिले में औहर पर्यटन परिसर के निर्माण कार्य में भी तेजी लाने के निर्देश दिए। इसका अब तक 46 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। मुख्यमंत्री ने एशियाई विकास बैंक के वित्त पोषण से निर्मित की जा रही विभिन्न पर्यटन परियोजनाओं की भी समीक्षा की और इनके निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। प्रधान सचिव, पर्यटन देवेश कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव राकेश कंवर, निदेशक पर्यटन विवेक भाटिया और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में उपस्थित थे।

राज्यपाल ने आदर्श केंद्रीय सुधारगृह कण्डा में कारागार बंदियों से संवाद किया

शिमला। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि कारागार में बंदियों को हर हाथ को काम पहल के तहत विभिन्न कार्यों में लगाया गया है। उनके द्वारा तैयार सामान की बिक्री हिमकारा स्टोर के माध्यम से की हो रही है, जिसके लाभ का 40 प्रतिशत कारागार बंदियों को मेहनताना के रूप में दिया जा रहा है। उन्होंने इस पहल की सराहना की। राज्यपाल आज यहां आदर्श केंद्रीय सुधारगृह कण्डा में आयोजित एक कार्यक्रम में बंदियों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि सुधारगृह में बंदियों को विभिन्न कार्यों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है इसलिए यहां से जो भी व्यक्ति बाहर निकले, वह स्वावलंबी बनकर निकले और अपने परिवार की देखभाल कर सकें। वह स्टार्टअप शुरू कर दूसरों को भी रोजगार उपलब्ध करवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि सुधारगृह बंदी यहां रहकर सीखेंगे तो उनमें सुधार अवश्य होगा।

उन्होंने कहा कि समाज में सबसे बड़ा अपराधी नशे का आदि बनाने वाला व्यक्ति है। उन्होंने कहा कि जो लोग नशा करते हैं वो दूसरों और खुद को जिंदगी भर सजा देने का काम करते हैं।अपने जीवन में नशे को स्वीकार करना और दूसरों को परोसना भी अपराध है। राज्यपाल ने सुधारगृह में स्टाफ के सदस्यों तथा बंदियों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत खुशी की बात है कि स्टाफ के सदस्य ने अखिल भारतीय स्तर पर अपनी गायकी के लिए सिल्वर मेडल प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि यहां बंदियों द्वारा गीता के अध्याय का सुंदर पाठ किया गया जिसके लिए जेल अधीक्षक बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में

कई बार गलतियां हो जाती और गलतियों को हमें सुधारना चाहिए। हमें अपने जीवन को सुधारने के प्रयत्न करने चाहिए। उन्होंने कहा कि गलती करने वाले सभी अपराधी नहीं होते हैं, अगर कोई गलती बार-बार की जाए तो वह अपराध की प्रवृत्ति बनती है।

शिव प्रताप शुक्ल ने विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया जो सुधारगृह और बंदियों के उत्थान के लिए करता कर रहे हैं। उन्होंने आर्ट ऑफ लिविंग, जवाहर लाल नेहरू राजकीय फाइन आर्ट्स महाविद्यालय, दिव्य ज्योति जागृति संस्थान, इस्कॉन समिति शिमला, इनर व्हील क्लब, नोफेल एक उम्मीद, रोटरी टाउन हॉल शिमला, रोटरी हिल क्वीन शिमला, दी हिमालयन वीलोसिटी, राज विद्या केंद्र शिमला, सत्य साई समिति, वर्धान टेक्सटाइल्स, मनोविज्ञान काउंसिल और वेस्ट वारियर के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया।

इससे पूर्व राज्यपाल ने बंदियों द्वारा तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। सुधारगृह में बने मंदिर में पूजा अर्चना की। उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और पौधारोपण किया।

अतिरिक्त महानिदेशक कारागार अभिषेक त्रिवेदी ने राज्यपाल का स्वागत किया और उन्हें विभाग द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हाल ही में बंदियों द्वारा तैयार उत्पादों की गेयटी थियेटर में प्रदर्शनी लगाई गई थी जहां से तीन लाख रुपये की आमदनी प्राप्त हुई है। इस दौरान अतिरिक्त महानिदेशक होमगार्ड सतवंत अटवाल, राज्यपाल के सचिव सी. पी. वर्मा, अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी प्रोटोकॉल ज्योति राणा, कारागार अधीक्षक सुशील कुमार और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

दिव्यांगजन समाज का अभिन्न हिस्सा, उनका सशक्तिकरण हमारा सामाजिक दायित्व : विनय कुमार

धर्मशाला । अतिरिक्त उपायुक्त विनय कुमार की अध्यक्षता में आज उपायुक्त कार्यालय धर्मशाला में विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के अंतर्गत आयोजित त्रैमासिक बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में जिले में दिव्यांगजनों से जुड़ी योजनाओं, सुविधाओं और अधिकारों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में जिला कल्याण अधिकारी साहिल मांडला, मुख्य चिकित्सा अधिकारी विवेक करोल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा अन्य संबंधित प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में दिव्यांगजनों के लिए विशेष दिव्यांग भवन बनाए जाने और जरूरतमंद दिव्यांगजनों को रेहड़ी खोखे की आवश्यकता पर चर्चा की गई। अतिरिक्त उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में दिव्यांगजनों के लिए एक समर्पित भवन की स्थापना हेतु संभावित स्थान के लिए स्थान देखा जाए, ताकि उन्हें एक ही स्थान पर सभी आवश्यक सुविधाएं और परामर्श उपलब्ध हो सकें।

अतिरिक्त उपायुक्त ने निर्देश दिए कि सहायता पेंशन योजनाओं से कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित न रहे और पात्रता निर्धारण की प्रक्रिया पारदर्शी एवं त्वरित हो। उन्होंने यह भी कहा कि पंचायत स्तर पर जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएं ताकि अधिक से अधिक दिव्यांगजन योजनाओं का लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि तहसील स्तर पर हर दस्तावेज के लिए लगने वाली फीस की रेट लिस्ट प्रदर्शित की जाए और दिव्यांगजनों को दस्तावेज़ संबंधी कार्यों में प्राथमिकता दी जाए। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि सभी सरकारी कार्यालयों में विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित किया जाए। प्रत्येक विभाग अपने कार्यालयों में व्हीलचेयर रैंप, दिव्यांग अनुकूल शौचालय तथा आवश्यक सुविधाओं का प्रावधान सुनिश्चित करे। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि यह सभी विभागाध्यक्षों की जिम्मेदारी है कि वे अपने-अपने कार्यालयों में दिव्यांगजनहित उपायों को प्राथमिकता से लागू करें। अतिरिक्त उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दिव्यांगजनों से संबंधित योजनाओं की निगरानी नियमित रूप से की जाए और हर त्रैमासिक बैठक में प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन समाज का अभिन्न हिस्सा हैं। उनका सशक्तिकरण केवल सामाजिक दायित्व नहीं बल्कि प्रशासनिक प्राथमिकता भी है। प्रत्येक अधिकारी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उन्हें किसी भी स्तर पर भेदभाव या असुविधा का सामना न करना पड़े। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि सभी विभाग अपने स्तर पर नवाचार करें ताकि दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन जीने में सहायता मिल सके। इसके उपरांत अतिरिक्त उपायुक्त ने राष्ट्रीय न्यास अधिनियम 1999 के तहत स्थानीय स्तरीय समिति की अध्यक्षता की और निःशक्त व्यक्तियों के संरक्षक नियुक्त करने की प्रक्रिया पर भी चर्चा की।

आवश्यक सूचना

ब्पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25, स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। सम्पादकः- एकान्ति रॉय गर्ग, मुख्य कार्यालयः बूथ नंः 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

हरभजन सिंह ई.टी.ओ. तिरुवनंतपुरम के गुरुद्वारे में हुए नतमस्तक

श्री गुरु तेग़ बहादुर साहिब जी के शहीदी समागम में शामिल होने के लिए स्थानीय सिखों से की अपील

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के लोक निर्माण मंत्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने तिरुवनंतपुरम के स्टेशन गुरुद्वारा साहिब में श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व से संबंधित कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। वे यहां केरल के मुख्यमंत्री श्री पिनाराई विजयन को नौवें पातशाह श्री गुरु त़ेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस संबंधी समागम में आमंत्रित करने पहुंचे थे।

इस अवसर पर उपस्थित संगतों को श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व की शुभकामनाएँ देते हुए सरदार हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने पंजाब से हजारों मील दूर बसे पंजाबियों से श्री गुरु नानक देव जी के दर्शन को और अधिक फैलाने की अपील की।

उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित संगतों को मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा श्री आनंदपुर साहिब में आयोजित किए जा रहे श्री गुरु त़ेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी समागम में भाग लेने की भी अपील की।

'युद्ध नशे के विरुद्ध': जालंधर प्रीमियर लीग के रोमांचक क्रिकेट मैच में लाडोवाली सरकारी स्कूल ने 192 रनों से जीत हासिल की

हिन्द जनपथ
जालंधर(ब्यूरो)। पंजाब सरकार द्वारा शुरू की गई ' युद्ध नशे के विरुद्ध मुहिम के तहत वासल एजुकेशन द्वारा जालंधर प्रशासन के सहयोग से आई.वी. वर्ल्ड स्कूल में आयोजित की जा रही जालंधर प्रीमियर लीग (जे.पी.एल.) का आज का मैच सरकारी मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, लाडोवाली और गुरू नानक फाउंडेशन ग्लोबल स्कूल, जालंधर के बीच खेला गया।

इस मुकाबले में सरकारी मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, लाडोवाली ने विरोधी टीम को 225 रनों का लक्ष्य दिया और 192 रनों से जीत हासिल की। कृष्णा शर्मा ने अपनी 106 रनों की पारी से टीम को मजबूती प्रदान की और मैन ऑफ द मैच चुने गए।

इस मौके पर राज्य सभा सदस्य और भारत के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह खिलाड़ियों को आशीर्वाद देने के लिए विशेष तौर पहुंचे। उन्होंने जीवन में अनुशासन, हौसले और मेहनत की महत्वता पर जोर देते हुए युवाओं को अपने सपनों को समर्पण की भावना से पूरा करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने जिला प्रशासन द्वारा खेलों को जमीनी स्तर पर प्रोत्साहित करने और युवा खिलाड़ियों को सशक्त बनाने के प्रयासों की भरपूर प्रशंसा की।

इस मौके पर डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल ने खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल जीवन में न केवल अनुशासन लाते है,बल्कि टीम वर्क की भावना भी पैदा करते है।

इस मौके पर वासल एजुकेशन के चेयरमैन संजीव कुमार वासल और सी.ई.ओ. राघव वासल ने इस बात पर जोर दिया कि खेल हमें अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। इस मौके पर स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा बैंड और भांगड़े की प्रस्तुति भी दी गई।

स्टार्टअप एक्सेलेरेटर वेवएक्स ने 20-24 नवंबर 2025 तक आईएफएफआई गोवा 2025 में वेव्स बाजार में भाग लेने के लिए स्टार्टअप को आमंत्रित किया

हिन्द जनपथ
नई दिल्ली/चंडीगढ़(ब्यूरो)। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई), गोवा 2025 में वेवएक्स द्वारा संचालित वेव्स बाजार में विशेष स्टार्टअप शोकेस जोन, वेवएक्स बूथों के लिए बूथ बुकिंग शुरू करने की घोषणा की है।

इस पहल का उद्देश्य एवीजीसी-एक्सआर (एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट, गेमिंग, कॉमिक और एक्सटेंडेड रियलिटी) और मनोरंजन क्षेत्र में उभरते स्टार्टअप को वैश्विक उद्योग के दिग्गजों, निवेशकों और प्रोडक्शन स्टूडियो से जुड़ने के लिए एक मंच प्रदान करना है।

20 से 24 नवंबर, 2025 तक आयोजित होने वाला वेव्स बाजार, फिल्म बाजार के निकट स्थित होगा, जो आईएफएफआई का प्रमुख नेटवर्किंग केंद्र है और दुनिया भर के फिल्म निर्माताओं, निर्माताओं तथा मीडिया पेशेवरों की प्रभावी भागीदारी के लिए जाना जाता है।

प्रत्येक बूथ 30,000 रुपये प्रति स्टॉल (शेयरिंग आधार पर) की मामूली लागत पर उपलब्ध होगा। भाग लेने वाले स्टार्टअप को निम्नलिखित सुविधाएं प्राप्त होंगीः

इच्छुक स्टार्टअप wavex.wavesbazaar.com पर पंजीकरण करा सकते हैं। प्रश्न wavex-mib[at]gov[dot]in पर पूछे जा सकते हैं। सीमित स्टॉल उपलब्ध हैं और आवंटन 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर होगा। 1952 में स्थापित, भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) एशिया के सबसे महत्वपूर्ण फिल्म समारोहों में से एक है, जो विश्व सिनेमा में उत्कृष्टता का उत्सव मनाता है और फिल्म निर्माताओं, कलाकारों तथा सिनेमा प्रेमियों के लिए एक मिलन स्थल के रूप में कार्य करता है। गोवा में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला आईएफएफआई, वैश्विक फिल्म जगत की भागीदारी को आकर्षित करता है और रचनात्मक सहयोग एवं अवसरों के लिए उत्प्रेरक का काम करता है। 56वां भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) 20 से 28 नवंबर, 2025 तक पणजी, गोवा में आयोजित किया जाएगा। वेवएक्स, भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की एक राष्ट्रीय स्टार्टअप एक्सेलेरेटर और इनक्यूबेशन पहल है, जो एवीजीसी-एक्सआर और मीडिया-टेक इकोसिस्टम में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।

आयकर विभाग ने "स्वच्छता ही सेवा" और जागरूकता सप्ताह मनाया, मंचित नाटक से लोगों को किया जागरूक

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंचकुला और चंडीगढ़ के आयकर विभागों ने संयुक्त रूप से "स्वच्छता ही सेवा" और "जागरूकता – हमारी साझा जिम्मेदारी" विषय पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च (NITTTR), सेक्टर 26, चंडीगढ़ के ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती विदिशा कालरा, आईआरएस, मुख्य आयकर आयुक्त, पंचकुला और शिमला उपस्थित थीं, जबकि सम्माननीय अतिथि के रूप में श्रीमती वत्सला झा, आईआरएस, निदेशक जनरल आयकर (जांच), उत्तर-पश्चिम क्षेत्र, चंडीगढ़ उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का आयोजन श्रीमती कोमल जोगपाल, आईआरएस, मुख्य आयकर आयुक्त (OSD), पंचकुला एवं रिव्यू यूनिट, चंडीगढ़ के मार्गदर्शन में किया गया।

कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता, नशा मुक्ति अभियान और पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत किया गया।

इस आयोजन का समन्वय डॉ. प्रभजोत गूर्नोन बाज्जू, संस्थापक और निदेशक, मीशन फाउंडेशन, पंचकुला ने किया। मंथन आर्ट्स एंड थिएटर सोसाइटी के कलाकारों ने हीरा सिंह के नेतृत्व में भ्रष्टाचार और प्रदूषण नियंत्रण पर दो आकर्षक नाटक प्रस्तुत किए, जिन्हें दर्शकों ने जोरदार तालियों से सराहा। इसके अतिरिक्त, गवर्नमेंट मॉडल संस्कृती सीनियर सेकेंडरी स्कूल, नानकपुर, पंचकुला के छात्रों ने नशा मुक्ति पर प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर आयकर विभाग, हरियाणा की 'पल्लव' पत्रिका के 15वें संस्करण का विमोचन भी किया गया। विशेष रूप से, पंचकुला और चंडीगढ़ के विभागीय भवनों के सफाई कर्मचारी को मंच पर सम्मानित किया गया और सामूहिक फोटो खींची गई।

कार्यक्रम में जागरूकता सप्ताह प्रतियोगिताओं और हिंदी प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाणपत्रों से सम्मानित किया गया। ़रीमती विदिशा कालरा, आईआरएस ने अपने संबोधन में कहाः "जागरूकता, ईमानदारी और पारदर्शिता अच्छे प्रशासन की आधारशिला हैं। ये मूल्य हमारे कार्य संस्कृति का अभिन्न हिस्सा होने चाहिए। स्वच्छता, जागरूकता और हमारी राष्ट्रीय भाषा हिंदी के प्रभावी उपयोग से न केवल विभागीय दक्षता बढ़ सकती है, बल्कि राष्ट्रनिर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है।" इस कार्यक्रम में पंचकुला और चंडीगढ़ के आयकर विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी दिखाई और प्रस्तुतियों की भरपूर सराहना की। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती पूनम राई, आईआरएस, चंडीगढ़ ने किया।

सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने जागरूकता, ईमानदारी और स्वच्छता के मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और यह मान्यता व्यक्त की कि "स्वच्छता ही सेवा है" और यह राष्ट्रनिर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम "जय हिंद!" के उद्घोष के साथ समाप्त हुआ।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने युवक को क्रोएशिया भेजने के नाम पर ठगी मामले में सख्त कार्रवाई के दिए निर्देश

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने आज अपने निवास स्थान पर अम्बाला छावनी विधानसभा क्षेत्र से आए नागरिकों की शिकायतें सुनीं और कई मामलों में अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए।

टुंडला निवासी ने मंत्री श्री विज को शिकायत दी कि एक एजेंट ने उसे क्रोएशिया भेजने के नाम पर लगभग डेढ़ लाख रुपये और उसके दस्तावेज़ ले लिए, लेकिन न तो विदेश भेजा और न ही राशि लौटाई। मामले को गंभीरता से लेते हुए कैंट थाना पुलिस को एजेंट के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

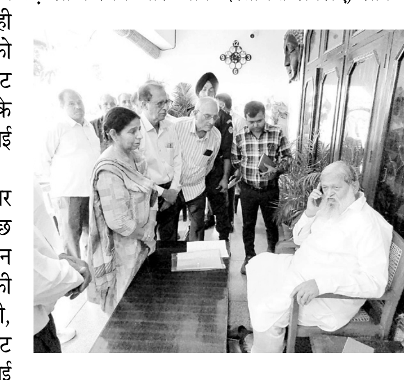

इसी प्रकार, प्रेम नगर निवासी व्यक्ति ने कुछ लोगों द्वारा उसकी दुकान पर कब्जा करने की कोशिश की शिकायत दी, जिस पर श्री विज ने कैंट थाना प्रभारी को कार्रवाई के निर्देश दिए। बब्याल निवासी महिला ने बुढ़ापा पेंशन न लगने की शिकायत दी, जिस पर मंत्री ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को तुरंत समाधान करने के निर्देश दिए। ऐसे ही, हाउसिंग बोर्ड निवासी महिला ने बताया कि अपने पति की मृत्यु के बाद वह पति की दुकान में कॉस्मेटिक का सामान बेचकर जीवनयापन कर रही है, परंतु ससुराल पक्ष के लोग उसे परेशान कर रहे हैं। इस पर श्री विज ने कैंट पुलिस को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

इसके अलावा, दयालबाग निवासी महिला ने घर से ढाई लाख रुपये चोरी होने, ट्रिब्यून कॉलोनी की बुजुर्ग महिला ने अपने बेटे द्वारा उत्पीड़न, बीडी फ्लोर मिल निवासी महिला ने घर का मीटर न लगने, छात्राओं ने बस पास बनवाने, धोबीघाट क्षेत्र में शेड लगाने और रामबाग रोड ग्वाल मंडी के लोगों ने मृत पशु उठाने से संबंधित शिकायतें दीं। इन सभी मामलों में मंत्री अनिल विज ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को तुरंत प्रभाव से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी मौके पर उपस्थित रहे।

महापौर कुलभूषण गोयल ने शुरू किया विकास का धुंआधार अभियान, गांवों में नई धर्मशालाओं का लोकार्पण

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)।नगर निगम पंचकूला के महापौर कुलभूषण गोयल ने विकास कार्यों का सिलसिला तेज कर दिया है। वीरवार को उन्होंने निगम क्षेत्र के कई गांवों में नव निर्मित धर्मशालाओं का लोकार्पण कर उन्हें जनता को समर्पित किया। शादी-ब्याह के सीजन में ये धर्मशालाएं आम लोगों के लिए बड़ी सुविधा साबित होंगी, जिन्हें सस्ती दरों पर बुक कर अपने पारिवारिक कार्यक्रम आयोजित किए जा सकेंगे।

महापौर कुलभूषण गोयल ने बताया कि पिछले पौने पांच वर्षों में नगर निगम पंचकूला द्वारा लगभग 350 करोड़ रुपये के विकास कार्य करवाए गए हैं। उन्होंने कहा कि हर वार्ड में रिकॉर्ड स्तर पर विकास हुआ है और पार्षदों द्वारा सुझाए गए कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करवाया गया है। जनता की समस्याओं के समाधान में कोई कमी नहीं छोड़ी गई।

महापौर ने इस अवसर पर 49 लाख रुपये की लागत से बनी बीसी धर्मशाला (गांव टोका) और 68 लाख रुपये की लागत से निर्मित दो मंजिला सुनारो वाली धर्मशाला (गांव रामगढ़) का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि निगम क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में बुनियादी सुविधाओं के विकास को लेकर लगातार प्रयास जारी हैं।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष अजय मित्तल, पार्षद परमजीत कौर, पार्षद

केंद्र सरकार का लक्ष्य देश के हर व्यक्ति तक सहज, सुरक्षित संचार सुविधाएं उपलब्ध कराना- दूर संचार सचिव डॉ नीरज मित्तल

- साइबर अपराध, आर्थिक धोखाधड़ी और दूरसंचार साधनों का दुरुपयोग है वैश्विक समस्या
- दूर संचार सुरक्षा संबंधी मामलों के वार्षिक उत्तरी क्षेत्र सम्मेलन में जुटे कई राज्यों के 100 से अधिक अधिकारी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़/ शिमला। (ब्यूरो)। दूरसंचार सचिव और डिजिटल संचार आयोग के अध्यक्ष डॉ नीरज मित्तल ने कहा कि साइबर अपराध, आर्थिक धोखाधड़ी और दूरसंचार साधनों का दुरुपयोग अब वैश्विक समस्या बनते जा रहे हैं और उनसे निपटने के लिए सभी को मिलजुल कर काम करने की जरूरत है। डॉ मित्तल आज हिमाचल प्रदेश के क्यारीघाट,सोलन में दूरसंचार विभाग के हिमाचल प्रदेश लाइसेंस प्राप्त सेवा क्षेत्र (एल एस ए) द्वारा सशक्त संचार, अभिनव सुरक्षा विषय पर आयोजित सुरक्षा संबंधी मामलों के वार्षिक उत्तरी क्षेत्र सम्मेलन को वीडियो कांफ्रेंस के जरिए संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ते डिजिटल दौर में सुरक्षित संचार सेवाओं के महत्व को समझते हुए दूरसंचार विभाग ने इस वैश्विक समस्या से निपटने के लिए अपने स्तर पर कई प्रयास किए हैं। संचार साथी से लेकर वित्तीय धोखाधड़ी जोखिम सूचकांक और सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर जैसी विभाग की विभिन्न पहलों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इन कदमों से न केवल धोखाधड़ी की घटनाओं पर अंकुश लगाने में मदद मिल रही है बल्कि आम लोगों को भी साइबर ठगी से बचाया जा रहा है। सरकार की प्राथमिकताओं का उल्लेख करते हुए दूरसंचार सचिव ने बताया कि केंद्र सरकार का लक्ष्य देश के हर व्यक्ति तक सहज,सुरक्षित संचार सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

सम्मेलन में दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, जम्मू एवं कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश के दूरसंचार अधिकारियों के साथ कई केंद्र शासित प्रदेशों और राज्य सरकार की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सौ से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए। इसके अलावा, रिजर्व बैंक, स्टेट बैंक जैसे प्रमुख वित्तीय संस्थानों के अधिकारी तथा एयरटेल, जियो, वोडाफोन एवं बीएसएनएल जैसे दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के वरिष्ठ अधिकारी भी सम्मेलन में मौजूद थे।

सम्मेलन में प्रमुख रूप से अवैध दूरसंचार नेटवर्क के संचालन की रोकथाम, वित्तीय धोखाधड़ी,साइबर ठगी,मोबाइल फोन चोरी की घटनाओं को रोकने और डिजिटल अरेस्ट सहित डाटा एवं संचार सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। सम्मेलन में बताया गया कि देश में दूरसंचार सेवाओं का इस्तेमाल करने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 122 करोड़ हो गई है। इस अवसर पर सम्मेलन में भागीदार राज्यों में दूरसंचार विभाग के सहयोग से चोरी हुए मोबाइल फोन की बरामदगी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले जिलों के पुलिस अधीक्षकों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। जम्मू कश्मीर के श्रीनगर जिले ने भागीदार राज्यों के जिलों में पहला स्थान हासिल किया है। जबकि उत्तर प्रदेश के आजम गढ़ को दूसरा और हरियाणा के गुरूग्राम को तीसरा स्थान मिला है। हिमाचल प्रदेश का शिमला पांचवें स्थान पर रहा। सम्मेलन में बताया गया कि बीते दो सालों में चार करोड़ से अधिक संदिग्ध मोबाइल कनेक्शन बंद किए गए हैं। इसके अलावा करीब 6 लाख मोबाइल हैंड सेट बरामद किए हैं।

लुधियाना बस अड्डे से संबंधित प्रचार तथ्यहीन और भ्रामक: लालजीत सिंह भुल्लर

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के परिवहन मंत्री स लालजीत सिंह भुल्लर ने लुधियाना बस अड्डे के विभिन्न हिस्सों को ठेके पर देने से संबंधित पक्षपात या अनियमितताओं के दावों और समाचारों को पूरी तरह निराधार और तथ्यहीन बताया है। उन्होंने कहा कि इस विषय पर जो भ्रामक प्रचार किया जा रहा है, वह बिलकुल गलत और बिना किसी आधार के है। उन्होंने स्पष्ट किया कि लुधियाना बस अड्डा 10 दिसंबर 2021 से पहले एक समग्र ठेके (ओवर ऑल)पर था, जबकि अब इसके विभिन्न हिस्सों को अलग-अलग ठेकों पर दिया गया है। यह नीति पूर्ववर्ती सरकारों के समय से ही लागू है और पंजाब के अन्य बस अड्डों को भी इसी प्रणाली के तहत ठेके पर दिया जाता रहा है।

परिवहन मंत्री ने बताया कि लुधियाना बस अड्डे का निर्माण कार्य वर्ष 2006 में वेलसम्पन्न कंपनी द्वारा बी.ओ.टी. (बिल्ड, ऑपरेट ऐंड ट्रांसफर) आधार पर किया गया था। इस कंपनी ने 2016 तक बस अड्डे का संचालन बी.ओ.टी. आधार पर किया। इसके बाद, वर्ष 2018 में बस अड्डा मैसर्स एल.आर.वाई. कंपनी को एम.ओ.टी. (मेंटिनेंस, ऑपरेट ऐंड ट्रांसफर) आधार पर ठेके पर दिया गया।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2020 में कोरोना महामारी के कारण एल.आर.वाई. कंपनी विभाग को देय कंसेशन फीस जमा नहीं करवा सकी, जिसके चलते विभाग ने कंपनी का अनुबंध निलंबित कर दिया और 10 दिसंबर 2021 से बस अड्डे का रख-रखाव पनबस द्वारा अपने स्तर पर किया जाने लगा। विभाग द्वारा ही अड्डा शुल्क की वसूली भी की जाती रही।इस कार्य हेतु डिपो की ओर से 15 कर्मचारियों (कंडक्टर व सब-इंस्पेक्टर) को विभिन्न बिंदुओं पर शुल्क वसूली के लिए तैनात किया गया था। इन कर्मचारियों की वेतन और स्टेशनरी आदि का खर्च भी विभाग द्वारा ही वहन किया गया। लालजीत सिंह भुल्लर ने बताया कि अड्डा शुल्क को ठेके पर देने के लिए मुख्यालय के आदेशानुसार डिपो की ओर से 8 बार ऑनलाइन ई-नीलामी करवाई गई। इसी क्रम में 1 अगस्त 2025 को हुई ई-नीलामी में कुल 4 बोलीदाता शामिल हुए। इनमें से अर्जन यादव एंड कंपनी ने 44,01,000 रुपए+ जी.एस.टी. (कुल 51,93,180 रुपए) की सर्वोच्च बोली लगाई। कंपनी ने 1,02,98,340 रुपए की राशि अग्रिम दो किश्तों में डिपो के खाते में जमा करवा दी है।यह अनुबंध 6 माह की अवधि या समग्र बस अड्डे के ठेके के पुनः लागू होने तक के लिए किया गया है। पूरी ई-नीलामी की प्रक्रिया एम.एस.टी.सी. कंपनी द्वारा सरकारी निर्देशों के अनुरूप संपन्न की गई। ठेका मिलने के बाद, जो कर्मचारी पहले शुल्क वसूली पर लगाए गए थे, उन्हें उनकी नियमित ड्यूटी पर वापस तैनात कर दिया गया है। परिवहन मंत्री ने आगे बताया कि दक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए विभाग ने कुल आठ बार ई-नीलामी की, जिसमें 1 अगस्त 2025 को हुई नीलामी में अर्जन यादव एंड कंपनी (#156, न्यू ग्रेन मार्केट, सलीम टबरी, लुधियाना-141008) सर्वोच्च बोलीदाता के रूप में उभरी। सभी औपचारिकताएँ पूर्ण होने के बाद, ठेकेदार ने 1 नवंबर 2025 से बस अड्डे की फीस वसूली का कार्य संभाल लिया है। लालजीत सिंह भुल्लर ने भरोसा दिलाते हुए कहा कि पूरा कार्य पूर्ण पारदर्शिता और नियमों के अनुसार किया गया है। अड्डा शुल्क वसूली को आउटसोर्स करने का निर्णय प्रक्रिया को सुचारू बनाने, प्रशासनिक बोझ घटाने और सरकारी खजाने के लिए राजस्व बढ़ाने के उद्देश्य से लिया गया है।

आने वाले वर्षों में फरीदाबाद की पहचान राष्ट्रीय मानचित्र पर होगी और भी मजबूत: कृष्ण पाल गुर्जर

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री श्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि भाजपा सरकार की प्राथमिकता जनता को बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराना है। इसी कड़ी में आज जिला फरीदाबाद की न्यू जनता कॉलोनी में 44.80 लाख रुपये की लागत से सीवर लाइन, पानी की लाइन और आरएमसी रोड निर्माण कार्य का शिलान्यास किया।

श्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व के निर्णय के अनुसार दिल्ली एयरपोर्ट को गुड़गांव, फरीदाबाद और जेवर एयरपोर्ट से जोड़ने वाली नई रेपिड मेट्रो परियोजना को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इस महत्वाकांक्षी योजना का कार्य वर्ष 2026 में प्रारंभ किया जाएगा। इस परियोजना के अंतर्गत मेट्रो लाइन फरीदाबाद होते हुए नोएडा तक और आगे सीधे जेवर एयरपोर्ट तक जाएगी, जबकि दूसरी दिशा में गुड़गांव से होते हुए दिल्ली एयरपोर्ट को जोड़ेगी। यह कनेक्टिविटी न केवल दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के नागरिकों के लिए लाभदायक सिद्ध होगी, बल्कि फरीदाबाद को राष्ट्रीय परिवहन नेटवर्क में एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित करेगी। फरीदाबाद के लिए "बहुत बड़ी सौगात" है, क्योंकि इस परियोजना से शहर को हाईवे, रेलवे और मेट्रो - तीनों माध्यमों से सुदृढ़ परिवहन संपर्क प्राप्त होगा। केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने अभूतपूर्व विकास गति प्राप्त की है और यह नई मेट्रो परियोजना उस निरंतर प्रगति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पासपोर्ट ऑफिस के लिए दिल्ली जाने की बजाय अब पासपोर्ट ऑफिस फरीदाबाद में ही उपलब्ध है।

नौवें पातशाह गुरु तेग़ बहादुर जी के शहादत दिवस को समर्पित अस्थायी विधानसभा का निर्माण 20 नवंबर तक पूरा होगा: स्पीकर

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। नौवें पातशाह, "हिंद की चादर" गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं पावन शहादत को समर्पित अस्थायी पंजाब विधानसभा का निर्माण 20 नवंबर तक पूरा कर लिया जाएगा।

यह जानकारी पंजाब विधानसभा के स्पीकर श्री कुलतार सिंह संधवा ने विरासत-ए-खालसा में मंत्रियों के समूह (ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स) और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता करते हुए दी।

स्पीकर ने बताया कि गुरु त़ेग बहादुर जी के शहादत दिवस को समर्पित यह विशेष विधानसभा सत्र पंजाब सरकार की पहल है, जिसका उद्देश्य गुरु साहिबानों के दर्शन और संदेश को पूरी दुनिया तक पहुँचाना है।

उन्होंने बताया कि भाई जैता जी द्वारा दिल्ली में गुरु साहिब की शहादत के बाद उनका शीश कीरतपुर साहिब के गुरुद्वारा बीबानगढ़ साहिब लाया गया था, जिसके बाद भाई जैता जी, माता गुजरी जी और बाल गोबिंद राय जी के साथ उसे श्री आनंदपुर साहिब लाकर अंतिम संस्कार किया गया था, वहीं आज गुरुद्वारा सीस गंज साहिब स्थित है।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि 24 नवंबर को गुरुद्वारा बीबानगढ़ साहिब (कीरतपुर साहिब) से नगर कीर्तन की शुरुआत की जाएगी, जिसका स्वागत विभिन्न स्थानों पर सभी मंत्रियों और विधायकों द्वारा किया जाएगा। नगर कीर्तन जब गुरुद्वारा सीस गंज साहिब पहुँचेगा, तब विधानसभा सत्र का शुभारंभ किया जाएगा।

कैबिनेट मंत्री श्री तरूनप्रीत सिंह सौंद ने बताया कि कैबिनेट मंत्रियों और विधायकों के लिए विशेष प्रबंध किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सभी के ठहरने की व्यवस्था भाई सती दास पंडाल में की गई है, ताकि मंत्री और विधायक अपने परिवारों सहित 23 नवंबर से ही श्रद्धापूर्वक श्री आनंदपुर साहिब पहुँचकर सभी कार्यक्रमों में भाग ले सकें।

उन्होंने आगे बताया कि जो विधायक सीधे सत्र में शामिल होना चाहेंगे, उनके लिए अलग से यातायात की व्यवस्था की जा रही है, ताकि उन्हें किसी भी तरह की ट्रैफिक या अन्य परेशानी का सामना न करना पड़े।

पर्यटन विभाग के सलाहकार श्री दीपक बाली ने कहा कि कैबिनेट मंत्री और विधायक संगत के साथ नम्र सेवक के रूप में गुरु साहिब की शहादत को समर्पित होकर कार्यक्रमों में अधिक से अधिक भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि विधानसभा सत्र के उपरांत एक विशेष ड्रोन शो भी आयोजित किया जाएगा, जो अपने आप में अनोखा होगा और श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनेगा।

बैठक के उपरांत, दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री और पंजाब प्रभारी श्री मनीष सिसोदिया, स्पीकर श्री कुलतार सिंह संधवा, मंत्रियों के समूह और पर्यटन विभाग के सलाहकार दीपक बाली ने भाई जैता जी स्थल पर विधानसभा सत्र की तैयारियों का जायज़ा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव (संसदीय कार्य) श्री डी. के. तिवारी, सचिव जल आपूर्ति विभाग श्री हरप्रीत सिंह, सचिव पर्यटन विभाग डॉ. अभिनव त्रिखा, विशेष सचिव लोक निर्माण विभाग श्रीमती हरगुंजीत कौर, एमडी इंफोटेक श्री जसप्रीत सिंह, निदेशक स्थानीय निकाय विभाग श्री कुलवंत सिंह, निदेशक आतिथ्य विभाग श्री तेज सिंह सैनी, एडीजीपी श्री सुरिंदरपाल सिंह परमार, डीआईजी रूपनगर रेंज श्री नानक सिंह, डिप्टी कमिश्नर रूपनगर श्री वर्जीत वालिया, एसएसपी रूपनगर श्री गुलनीत सिंह खुराना, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर श्रीमती पूजा सियाल ग्रेवाल, एक्सईएन पीडब्ल्यूडी श्री एस.एस. भुल्लर, कार्यकारी अभियंता लोक निर्माण विभाग श्री विवेक दुरेजा, कार्यकारी अभियंता जल आपूर्ति श्री हरजीतपाल सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

संपादकीय

खिलाड़ियों के बीच बेहतरीन संतुलन और तालमेल का परिणाम है ऐतिहासिक जीत

भारतीय क्रिकेट की मुख्यधारा में भले ही पुरुष टीम को ज्यादा सुर्खियां मिलती रही हैं, मगर इसके समांतर महिलाओं की क्रिकेट टीम ने भी अपनी निरंतरता बनाए रखी है और समय-समय पर इसे साबित भी किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के फलक पर हौसला और कोशिश के स्तर पर भारत की महिला क्रिकेट टीम ने हर बार बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश की और कई बार अपनी क्षमता को साबित भी किया, लेकिन रविवार को इस टीम के बूते भारतीय क्रिकेट में एक शानदार और यादगार कामयाबी दर्ज हुई। नवी मुंबई के डीवाइ पाटिल स्टेडियम में खेले गए महिला विश्व कप के फाइनल में भारतीय टीम का जैसा प्रदर्शन रहा, उसे बल्लेबाजी से लेकर गेंदबाजी के सभी स्तर पर खिलाड़ियों के बीच बेहतरीन संतुलन और तालमेल का परिणाम कहा जा सकता है।इस मैच में टास दक्षिण अफ्रीका की टीम ने जीता, लेकिन उसके बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय खिलाड़ियों ने शुरूआती हिचक के बाद जिस रफ्तार और लय के साथ दो सौ निन्यानबे रन का लक्ष्य सामने रख दिया, उसे हासिल करना प्रतिद्वंद्वी टीम के लिए एक चुनौती बन गई। आखिरकार दक्षिण अफ्रीका की टीम छियालीसवें ओवर में दो सौ छियालीस रन बना सकी। कप्तान लारा ने एक सौ एक रन की पारी खेली और अपनी टीम को लड़ाई में बनाए रखने की कोशिश की, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में भी जैसी रणनीति अपनाई, उसमें वे दक्षिण अफ्रीका को खिताबी मैच में हार से नहीं बचा सकीं।भारतीय क्रिकेट की मुख्यधारा में भले ही पुरुष टीम को ज्यादा सुर्खियां मिलती रही हैं, मगर इसके समांतर महिलाओं की क्रिकेट टीम ने भी अपनी निरंतरता बनाए रखी है और समय-समय पर इसे साबित भी किया है। यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि इस बार के फाइनल में शानदार जीत दर्ज करने से पहले भारतीय महिला टीम की खिलाड़ियों ने सेमीफाइनल और प्रतियोगिता के अन्य मैचों में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया था और फाइनल में जीत की भूमिका उसी से बनी थी।निश्चित रूप से यह भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

जेन जेड बेटियां अब कह रही हैंः मैं बल्लेबाज़ बनना चाहती हूँ, मैं गेंदबाज़ बनूँगी, मैं विकेट-कीपर बनूँगी - यह परिवर्तन छोटा नहीं है, क्योंकि भाषा ही सीमाएँ निर्धारित करती थी। अब 'डॉक्टर-टीचर' के साथ 'क्रिकेटर-कोच' भी समाज की सामान्य आकांक्षा बन रहे हैं। मध्यवर्गीय परिवारों में यह बदलाव गहराई तक पहुँचा है। मुंबई की हल्की सर्द रात में, जब डी. वाई पाटिल स्टेडियम की रोशनी आसमान से बातें कर रही थी, तभी मैदान पर इतिहास अपनी नई पारी लिख रहा था। शोर सिर्फ़ क्रिकेट का नहीं था – वह एक पीढ़ी की धड़कनों का संगम था। हर चौका, हर विकेट, हर बजती तालियाँ, यह कह रही थीं कि अब क्रिकेट सिर्फ़ एक खेल नहीं, बल्कि एक घोषणा है – कि बेटियाँ अब दर्शक नहीं, दिशा हैं। 2 नवंबर 2025 का दिन – खेल उपलब्धि से आगे बढ़कर एक प्रतीक बन गया।

जेन जेड बेटियाँ- क्रिकेट की नई विश्व चैंपियंस

(डॉ. शिवानी कटारा)

जैसे ही भारत ने महिला विश्वकप ट्रॉफी थामी, दुनिया ने महसूस किया कि यह जीत सिर्फ़ मैदान की नहीं, बल्कि मानसिकता की भी थी।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच हुए इस फाइनल को लाइव देखने वालों की संख्या ने सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए। डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म्स और ब्रॉडकास्टर्स के अनुसार, मैच के दौरान लाइव व्यूअरशिप 190 मिलियन से अधिक पहुँच गई – अब तक के किसी भी वर्ल्ड कप फाइनल की सबसे बड़ी संख्या। द्धष्ष्ट के मुताबिक़, टूर्नामेंट के पहले 13 मैचों ने 60 मिलियन दर्शकों को आकर्षित किया – यह 2022 संस्करण से पाँच गुना वृद्धि थी। कुल 7 बिलियन मिनट्स का वॉच-टाइम दर्ज हुआ – 12 गुना वृद्धि।

फाइनल के विज्ञापन दरों में 40 प्रतिशत की उछाल ने यह साफ़ कर दिया कि महिला क्रिकेट अब सिर्फ़ भावनात्मक नहीं, बल्कि व्यावसायिक दृष्टि से भी शक्तिशाली मंच बन चुका। सोशल मीडिया पर यह जन-उत्सव बन गया – पहले खाली स्टेडियमों की जगह अब खचाखच भरे मैदान थे, और लाइव स्ट्रीम्स 1.2 करोड़ से बढ़कर 16.3 करोड़ तक जा पहुँचीं। क्रिकेट लीजेंड्स ने इसे महिला खेलों का निर्णायक मोड़ कहा। यह 'बेरीज़ युग' का अंत था। यह वह दौर था जब लड़कियों को खेल खेलने के लिए प्रोत्साहित तो किया जाता था, पर वह केवल एक 'गतिविधि' थी, 'करियर' नहीं। तब खेल लड़कों के लिए गंभीर और प्रतिस्पर्धी माना जाता था, जबकि लड़कियाँ घर-परिवार की भूमिकाओं तक सीमित थीं। मैदान में उनकी उपस्थिति अपवाद थी, अधिकार नहीं। लेकिन अब वह समय पीछे छूट गया है।

जेन जेड बेटियां अब कह रही हैं- मैं बल्लेबाज़ बनना चाहती हूँ, मैं गेंदबाज़ बनूँगी, मैं विकेट-कीपर बनूँगी - यह परिवर्तन छोटा नहीं है, क्योंकि भाषा ही सीमाएँ निर्धारित करती थी। अब 'डॉक्टर-टीचर' के साथ 'क्रिकेटर-कोच' भी समाज की सामान्य आकांक्षा बन रहे हैं। मध्यवर्गीय परिवारों में यह बदलाव गहराई तक पहुँचा है। पहले कहा जाता था – 'थोड़ा खेल ले, फिर पढ़ाई कर।' अब वही परिवार बेटियों को कहते हैं, खेलो – क्योंकि तुम्हारे खेल में अब भविष्य दिखता है। यह सिर्फ़ वाक्य नहीं, पीढ़ीयों के दृष्टिकोण का परिवर्तन है।

फाइनल की शाम शैफाली वर्मा ने जब 87 रनों की तूफ़ानी पारी खेली और दो विकेट लिए, तब उनकी आँखों में आत्मविश्वास की चमक थी। उन्होंने कहा – भगवान ने मुझे इसी पल के लिए भेजा था। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मुस्कराकर कहा – जब लॉरा और सून बल्लेबाज़ी कर रही थीं, मैंने शैफाली को देखा और सोचा – अब दिल की सुननी होगी। वही निर्णय हमें जीत तक ले गया। इन शब्दों में सिर्फ़ रणनीति नहीं, वो भरोसा था कि हर बेटी मैदान पर अपनी नियति खुद लिख सकती है – अपनी सजगता, सुझ-बुझ और अपने खेल की दृढ़ता से।

कभी कहा जाता था – क्रिकेट इज ए जेंटलमेन गेम लेकिन अब यह कथन अधूरा है। अब कहा जा सकता है- क्रिकेट इज एवरीवन गेम जब सचिन तेंदुलकर और रोहित शर्मा जैसे पुरुष सितारे महिला टीम को स्टेडियम में खड़े होकर चीयर करते हैं, तो यह प्रतीक है कि क्रिकेट अब किसी सीमित परिभाषा का हिस्सा नहीं। यह मानव-संभावनाओं का उत्सव है – जहाँ जुनून, अनुशासन और निडरता पहचान तय करते हैं।

यह टूर्नामेंट केवल ट्रॉफी की लड़ाई नहीं था, बल्कि आत्म-स्वीकृति का उत्सव था। जेन जेड बेटियों के लिए यह विश्वकप किसी प्रेरणा से कम नहीं। वे अब कह सकती हैं – मैं सिर्फ़ देखने नहीं, खेलने आई हूँ।यह वह पीढ़ी है जो अब स्क्रीन से बाहर निकलकर मैदान पर उतर आई है – अपने पसीने को अपने सपनों की स्याही बना रही है।

देश भर में अब महिला क्रिकेट अकादमियाँ खुल रही हैं, कॉरपोरेट ब्रांड्स बेटियों को अपने अभियानों का चेहरा बना रहे हैं, और समाज खेल को अब 'सुरक्षित विकल्प' नहीं, 'सशक्त अवसर' की तरह देख रहा है। क्रिकेट अब जुनून, पेशा और प्रतिष्ठा – तीनों का संगम बन गया है।

2 नवम्बर, 2025 की यह शाम आने वाले वर्षों की दिशा तय कर गई। कल का मैच मात्र एक खेल नहीं था; वह मानसिक क्रांति का दस्तावेज़ था। जब शैफाली ने बल्ला उठाया और गेंद बाउंड्री के पार उड़ी, तो उस पल सिर्फ़ स्कोर नहीं बढ़ा – सदियों से गढ़ी गई धारणाएँ भी उड़ गईं। हर तालियों की गूंज में यह संदेश था कि अब बेटियाँ इंतज़ार नहीं करेंगी, वे पहल करेंगी। हर चमकती आँख में यह यक़ीन था कि खेल अब केवल प्रदर्शन का मंच नहीं, बल्कि परिवर्तन की परिभाषा बन चुका है। त्द्द्ठ्ठ बेटियाँ यह जान चुकी हैं कि सपने अब उधार नहीं लिए जाते – उन्हें खेला जाता है, जिया जाता है और अपने दम पर जीता जाता है।

वे सिर्फ़ खिलाड़ी नहीं, नई विश्व चैंपियंस हैं – वेयर द वर्ल्ड चैंपियंस'। (लेखिका डेंटल सर्जन हैं और दिल्ली स्कूल ओफ इकोनॉमिक्स से पीएचडी है?) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

शशि थरूर ने परिवारवाद की मजबूत दीवारें हिला कर राजनीति की बड़ी समस्या दूर करने का प्रयास किया

(नीरज कुमार दुबे)

परिवारवाद के समर्थक इसे 'अनुभव की निरंतरता' या 'जनप्रियता का उत्तराधिकार' मानते हैं। प्रमोद तिवारी और रशीद अलवी जैसे नेताओं का यह तर्क कि 'जनता ही अंतिम निर्णायक है' लोकतांत्रिक रूप से सही प्रतीत होता है, लेकिन यह तर्क संरचनात्मक असमानता को छिपा देता है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद डॉ. शशि थरूर ने हाल ही में एक लेख में भारत की राजनीति में जड़ जमाए हुए 'परिवारवाद' पर तीखी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है जब राजनीतिक दलों को वंशानुगत नेतृत्व से आगे बढ़कर योग्यता आधारित लोकतंत्र की दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए। थरूर के इस वक्तव्य ने न केवल सत्तारुढ़ भाजपा बल्कि स्वयं कांग्रेस पार्टी के भीतर भी तीखी प्रतिक्रियाएँ उत्पन्न की हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी ने थरूर के विचारों का विरोध करते हुए कहा कि नेहरू परिवार ने देश के लिए जो बलिदान और समर्पण दिखाया है, उसकी मिसाल किसी अन्य राजनीतिक परिवार में नहीं मिलती। उन्होंने सवाल किया कि क्या भाजपा में कोई ऐसा परिवार है जिसने देश के लिए अपना जीवन न्योछावर किया हो? तिवारी ने कहा कि पंडित नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने अपनी योग्यता, समर्पण और बलिदान से राष्ट्र की सेवा की है।

इसी क्रम में कांग्रेस नेता रशीद अलवी ने भी थरूर का प्रतिवाद करते हुए कहा कि लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता का होता है– कोई यह नहीं कह सकता कि किसी व्यक्ति को केवल इसलिए चुनाव लड़ने से रोका जाए क्योंकि उसके पिता सांसद थे। एक अन्य कांग्रेस नेता उदित राज ने इस बहस को और व्यापक करते हुए कहा कि परिवारवाद केवल राजनीति तक सीमित नहीं है। डॉक्टर का बेटा डॉक्टर बनता है, व्यापारी का पुत्र व्यापारी बनता है, तो फिर राजनीतिज्ञ का पुत्र राजनीतिज्ञ क्यों नहीं बन सकता? उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि भारतीय राजनीति में टिकट वितरण प्रायः जातीय और पारिवारिक आधार पर होता है। हम आपको यह भी बता दें कि शशि थरूर का यह लेख ऐसे समय सामने आया है जब उनका कांग्रेस नेतृत्व के साथ संबंध बीते कुछ समय से तनावपूर्ण रहा है, विशेषकर उस समय से जब उन्होंने मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ पार्टी अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ा था। उनके हालिया वक्तव्य पार्टी की नीतिगत असहजता को और उजागर करते हैं।

देखा जाये तो भारतीय राजनीति का एक स्थायी चरित्र यह बन चुका है कि नेतृत्व अक्सर योग्यता या जनसंवाद की बजाय वंशगत परंपरा से निर्धारित होता है। शशि थरूर की यह टिप्पणी कि राजनीतिक शक्ति जब वंश के आधार पर तय होती है, तब शासन की गुणवत्ता गिर जाती है, हमारे लोकतंत्र की एक गहरी समस्या को उजागर करती है। वैसे भारतीय राजनीति में परिवारवाद कोई नई बात नहीं है। स्वतंत्रता के बाद से ही नेहरू-गांधी परिवार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का केंद्रबिंदु बना रहा। लेकिन आज यह प्रवृत्ति लगभग हर दल में दिखाई देती है– चाहे वह समाजवादी पार्टी में मुलायम सिंह यादव का परिवार हो, एनसीपी में शरद पवार का, डीएमके में करुणानिधि का, या अकाली दल में बादल परिवार का। सत्ता की विरासत एक प्रकार से राजनीतिक उत्तराधिकार का रूप ले चुकी है।

परिवारवाद के समर्थक इसे अनुभव की निरंतरता या जनप्रियता का उत्तराधिकार मानते हैं। प्रमोद तिवारी और रशीद अलवी जैसे नेताओं का यह तर्क कि जनता ही अंतिम निर्णायक है लोकतांत्रिक रूप से सही प्रतीत होता है, लेकिन यह तर्क संरचनात्मक असमानता को छिपा देता है। जब किसी राजनीतिक परिवार के बच्चे बचपन से ही सत्ता, संसाधन और जनसंपर्क के दायरे में पलते हैं तो स्वाभाविक रूप से उन्हें राजनीतिक अवसर सामान्य कार्यकर्ताओं की तुलना में कहीं अधिक आसानी से मिल जाते हैं। यह लोकतंत्र में अवसर-समानता की अवधारणा को कमज़ोर करता है।

साथ ही उदित राज का यह तर्क कि हर क्षेत्र में परिवारवाद है, आंशिक रूप से सही होते हुए भी, राजनीति के संदर्भ में खतरनाक है। क्योंकि राजनीति केवल एक पेशा नहीं, बल्कि लोकसेवा और नीति-निर्माण का माध्यम है। जब इस क्षेत्र में वंशानुगत अधिकार हावी हो जाता है, तब लोकतंत्र धीरे-धीरे गणतंत्र से कुलीनतंत्र की ओर बढ़ने लगता है।

शशि थरूर के लेख से निकले राजनीतिक संदेश को देखें तो यह प्रतीत होता है कि उनका लेख केवल एक सैद्धांतिक आलोचना नहीं है; यह कांग्रेस समेत भारतीय राजनीति की आत्मपरीक्षा का आग्रह है। वह यह मानते हैं कि नेहरू-गांधी परिवार का ऐतिहासिक योगदान निर्विवाद है लेकिन अब उस इतिहासजन्य वैधता को लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व में बदलना आवश्यक है। उनका संदेश यह है कि कांग्रेस जैसी पुरानी पार्टी यदि वास्तव में पुनर्जीवित होना चाहती है, तो उसे वंशवादी ढांचे से बाहर निकलकर योग्यता, कार्यक्षमता और जनसंपर्क पर आधारित नेतृत्व को प्राथमिकता देनी होगी। देखा जाये तो शशि थरूर का यह रुख भाजपा या अन्य दलों के लिए भी एक अप्रत्यक्ष चुनौती है। क्योंकि परिवारवाद का दंश केवल कांग्रेस में नहीं, बल्कि हर राजनीतिक संगठन में है। भाजपा, जो अक्सर कांग्रेस को परिवारवादी पार्टी कहती है, स्वयं भी राज्य स्तर पर ऐसे नेताओं से भरी है जिनके बेटे और रिश्तेदार सत्ता में हैं। भविष्य में हमारा लोकतंत्र जनता द्वारा, जनता के लिए, जनता का शासन कम और परिवार द्वारा, परिवार के लिए, परिवार का शासन अधिक बन जाएगा। इसलिए शशि थरूर की यह आवाज़ भले ही कांग्रेस के भीतर असुविधा उत्पन्न करे, मगर भारतीय राजनीति के लिए यह एक आवश्यक आत्मसंवाद की शुरुआत है। उनकी यह अपील किसी एक नेता या परिवार के विरुद्ध नहीं, बल्कि उस मानसिक संरचना के विरुद्ध है जो योग्यता को वंश के अधीन मानती है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

वर्ग पहेली 5905

1	2	3		■	4		5
6			■	7		■	
8		■	9	■	10	11	
12		13	■	14			■
■	■	15			■	16	
17			■	18	19		■
	■		■	20		■	21
22			■	23			

संकेतः बाएं से दाएं

1. महात्मा गांधी ने केवल एक बार कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन की अध्यक्षता की यह अधिवेशन यहां आयोजित किया गया था (1924)(4)
4. भारत में पहली रेलगाड़ी अप्रैल 1853 में यहां से थाणे के बीच (34 किमी.) चलाई गई थी (3)
6. उच्चारण करना, बोलना (3)
7. शतरंज की एक चाल (2)
8. नेत्रहीन, तुरही, नयनहीन (2)
9. वस्तु, पदार्थ, द्रव्य, चीज (1)
10. सन्यासिन, योगिनी, साधुस्त्री (3)
12. धावनपथ, दौड़पथ (3)
14. सर्वश्रेष्ठ, अत्यंत, मुख्य, प्रधान (3)
15. प्रकार, ढंग, विधि (3)
16. नगमा, तराना, गाना (2)
17. झुकने या प्रणाम करने की क्रिया (3)
18. भूकर, राजस्व, लैंड रीवेन्यू (3)
20. सप्ताह का दिन, प्रहार करने की क्रिया (2)
22. जो सदा घूमता-फिरता रहता हो (3)
23. शरणदाता, प्रणतपाल, सरपर (4)

ऊपर से नीचे

1. बगुनाह, निरपराध (4)
2. तरंगण, कंपन, लहराव (4)
3. गीत प्रस्तुत करने की क्रिया, नगमा (2)
4. वाचाल, जबानदराज, बदलगाम (4)
5. आस्तिकतावाद, स्वार्थहीनता, धर्म विश्वास, ईश्वर पर विश्वास (3)
11. उदास, रंजीदा, शोकग्रस्त, दुखित (4)
13. वेतन देने वाला (5)
14. वह व्यक्ति जो कुश्ती लड़ना सिखाऐं (5)
17. पैगंबर साहब की उपाधि, समान, उदाह (उर्दू)(3)
19. लूटमार, ध्वस्त, बर्बाद (3)
21. क्रय-विक्रय की वस्तु, सुस्वादु भोजन, असबाब, भराई सामग्री, स्वादिस्ट आहार (2)

वर्ग पहेली 5904 का हल

जा	कि	र	हु	सै	न	■	■
मा	ला	■	त	नि	क	सा	■
■	■	रि	■	क	ब	त	क
■	त्रि	पु	रा	■	■	हिं	द
■	का	■	शि	खा	■	दु	■
झे	ल	म	■	■	वि	स्ता	र
ल	■	हु	मा	■	का	नी	न
म	■	आ	स	पा	स	■	वे

ट्रंप ने कूटनीति को रियलिटी शो में बदला, जो खेल मोदी के साथ खेला अब वही जिनपिंग के साथ खेलने लगे

(नीरज कुमार दुबे)

अमेरिका के राष्ट्पति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर सुर्खियों में हैं और इस बार वजह उनका वह दावा है कि चीन के राष्ट्पति शी जिनपिंग ने उन्हें आश्वासन दिया कि उनके कार्यकाल के दौरान चीन ताइवान पर हमला नहीं करेगा। यह वही ट्रंप हैं जो कभी दावा करते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे रूस से तेल खरीद कम करने का वादा किया, तो कभी कहते हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम करवा दिया। सवाल उठता है कि क्या ट्रंप सच बोल रहे हैं, या फिर वह अपनी राजनीतिक लोकप्रियता बढ़ाने के लिए झूठे कूटनीतिक किस्से गढ़ रहे हैं?

हम आपको बता दें कि ट्रंप ने अमेरिकी टीवी चैनल 60 मिनिट्स को दिए इंटरव्यू में कहा कि शी जिनपिंग ने 'खुले तौर पर कहा' है कि जब तक ट्रंप राष्ट्पति रहेंगे, चीन ताइवान पर कोई कार्रवाई नहीं करेगा, क्योंकि वह परिणाम जानते हैं। ट्रंप के इस दावे पर सवाल इसलिए उठता है क्योंकि चीन की विदेश नीति को थोड़ा भी समझने वाला व्यक्ति जानता है कि बीजिंग ऐसा कोई आश्वासन नहीं देता। चीन की नीति हमेशा साफ़ रही है कि ताइवान उसका हिस्सा है और राष्ट्रीय एकीकरण उसका लक्ष्य है। ऐसे में शी जिनपिंग का किसी विदेशी नेता से इस विषय पर वादा करना कूटनीतिक रूप से असंभव है।

यानी सच कहें तो ट्रंप का यह बयान बेमतलब की डींग लगता है। दरअसल, ट्रंप की राजनीति ड्रामा और धमकी पर टिकी है। वह हर बातचीत को डील बना देते हैं और हर मुलाक़ात को जीत बताने की कोशिश करते हैं। मोदी से लेकर शी जिनपिंग तक, वह ऐसे दिखाना चाहते हैं कि पूरी दुनिया उनके इशारों पर चलती है। लेकिन सच्चाई यह है कि उनके ज़्यादातर दावे झूठे, अप्रमाणित और राजनीतिक प्रचार से ज़्यादा कुछ नहीं हैं।

भारत के संदर्भ में भी ट्रंप का रिकॉर्ड साफ़ नहीं है। ट्रंप ने बार-बार कहा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम करवाया, जबकि भारत ने हर बार स्पष्ट किया कि कश्मीर और द्विपक्षीय मसले में किसी तीसरे देश की कोई भूमिका नहीं हो सकती। फिर भी ट्रंप यह दावा दोहराते रहते हैं क्योंकि इससे वह अपने समर्थकों को यह दिखा सकते हैं कि वे वैश्विक शांति निर्माता हैं।

अब वही पुराना खेल उन्होंने चीन के साथ खेलना शुरू कर दिया है। ताइवान पर चीन की आक्रामकता और अमेरिका की रणनीतिक अस्पष्टता पहले से ही तनावपूर्ण विषय हैं। ऐसे में ट्रंप का यह दावा केवल उलझन और अविश्वास बढ़ाता है। यदि शी जिनपिंग ने ऐसा कुछ नहीं कहा और लगभग तय है कि उन्होंने ऐसा नहीं कहा होगा, इसलिए ट्रंप का यह बयान चीन-अमेरिका संबंधों को और बिगाड़ सकता है।

ट्रंप की इस अनिश्चितता पर भारत के सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने जो टिप्पणी की, वह बहुत सटीक थी। रीवा में बोलते हुए उन्होंने कहा, आज ट्रंप क्या कर रहे हैं, यह शायद खुद ट्रंप भी नहीं जानते कि कल क्या करेंगे। यह वाक्य मज़ाक नहीं, बल्कि एक गहरी टिप्पणी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि दुनिया आज अस्थिरता, भ्रम और अनिश्चितता के दौर में है और ट्रंप जैसे नेता इस अस्थिरता को और बढ़ा रहे हैं। देखा जाये तो जनरल द्विवेदी की टिप्पणी में एक चेतावनी छिपी है कि आज के दौर में खतरा सिर्फ़ युद्ध, आतंक या सीमा विवादों से नहीं है, बल्कि उन नेताओं से भी है जो झूठी सूचनाओं, अफ़वाहों और प्रचार को हथियार बना चुके हैं। ट्रंप का हर दावा, हर ट्वीट, हर इंटरव्यू उसी झूठ की राजनीति का हिस्सा है जो तथ्यों से ज़्यादा प्रभाव पर टिके हैं। बहराहल, ट्रंप का ताइवान वाला बयान इस बात का सबूत है कि उनके लिए कूटनीति भी एक रियलिटी शो की तरह है जहां नाटकीयता नीति से बड़ी है और श्रेय सच्चाई से ज़्यादा अहम है।

आज का राशिफल

मेष
आज जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य प्राप्त होगा। राशि का स्वामी मंगल-नीच राशि की संगति में है। कड़वाहट को मिठास में बदलने की कला आपको सीखनी पड़ेगी। पंचम भाव दूषित होने के कारण संतान पक्ष से निराशाजनक समाचार मिल सकता है।

वृष
आज का दिन संतोष और शान्ति का है। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। शासन व सत्ता से गठजोड़ का लाभ मिल सकता है। नये अनुबंधों के द्वारा पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रात्रि में कुछ अप्रिय व्यक्तियों से मिलने से अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। संतान पक्ष से कुछ राहत मिलेगी।

तुला
आज आपके चारों ओर सुखद वातावरण रहेगा। घर परिवार के सभी सदस्यों की खुशियां बढ़ेगी। कई दिनों से चली आ रही लेन-देन की कोई बड़ी समस्या हल हो सकती है। पर्याप्त मात्रा में धन हाथ में आ जाने का सुख मिलेगा। विरोधियों का प्रभाव होगा। पास व दूर की यात्रा का प्रसंग प्रबल होकर स्थगित होगा।

वृश्चिक
आज कुछ आन्तरिक विकार जैसे-वायु-मूत्र-रक्त, जड़ जमा रहे हैं। आज का दिन इस सबकी जांच कराने और किसी अच्छे डॉक्टर से इस विषय में सलाह मशविरा करने में व्यतीत करें। रोग की अवस्था में भी आपका चलना फिरना काफी ज्यादा हो गया है।

मिथुन
आज व्यग्रता के कारण किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने का भय बना रहेगा। संतान की शिक्षा या किसी प्रतियोगिता में आशातीत सफलता का समाचार मिलने से मन में हर्ष होगा। सायं काल में कोई रुका कार्य पूरा होगा।

कर्क
आज आजीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। राज्य-मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति हो सकती है। यात्रा, देशाटन की स्थिति सुखद व लाभदायक रहेगी। सायंकाल से लेकर रात्रि तक प्रिय व्यक्तियों का दर्शन व सुसमाचार मिलेगा।

धनु
आज आपके विरोधी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। शासन सत्ता पक्ष से निकटता व गठजोड़ का लाभ भी मिलेगा। ससुराल पक्ष से पर्याप्त मात्रा में धन हाथ लग सकता है। सायंकाल से लेकर रात्रि के समय तक किसी सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर
आज पारिवारिक व आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगा। आजीविका के क्षेत्र में चल रहे नए प्रयास फलीभूत होंगे। अधीनस्थ कर्मचारियों का आदर व सहयोग भी पर्याप्त मिलेगा। सायंकाल के समय किसी झगड़े विवाद में न पड़ें। रात्रि में प्रिय अतिथियों के स्वागत का योग बना रहेगा।

सिंह
आज आमदनी के नए स्रोत बनेंगे। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलाएगी। शिक्षा, प्रतियोगिता में विशेष सफलता मिलेगा। सूर्य के कारण अधिक भागदौड़ और नेत्र विकार होने की संभावना है। शत्रु आपस में लड़कर ही नष्ट हो जाएंगे।

कन्या
आज भाग्य वृद्धि कर रहा हैं रोजगार व्यापार के क्षेत्र में जारी प्रयासों में अकल्पनीय सफलता प्राप्त होगी। संतान पक्ष से भी संतोषजनक सुखद समाचार मिलेगा। दोपहर बाद किसी कानूनी विवाद या मुकदमों में जीत आपके लिए खुशी का कारण बन सकती है।

कुंभ
आज आपके स्वास्थ्य सुख में व्यवधान आ सकता है। राशि का स्वामी शनि क्योंकि मार्गी उदय चल रहा है। अत : निर्मूल विवाद अकारण शत्रु पति, अपनी बुद्धि द्वारा किए कार्यों में ही हानि और निराशा का कारक है। कोई विपरीत समाचार सुनकर अकस्मात यात्रा पर जाना पड़ सकता है।

मीन
आज का दिन पुत्र, पुत्री की चिंता तथा उनके कामों में व्यतीत होगा। दांपत्य जीवन में कई दिन से चला आ रहा गतिरोध समाप्त हो जाएगा। बहनोई और साले से आज लेन-देन न करें सम्बन्ध खराब होने का खतरा है। धार्मिक क्षेत्रों की यात्रा और पुण्य कार्यों पर खर्च हो सकता है। यात्रा में सावधान अवश्य रहें।

दूसरी तिमाही में इंडिगो की तेज उड़ान मगर रुपये की मजबूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिगो की सितंबर तिमाही में कंपनी का राजस्व पिछले साल की इसी तिमाही के मुकाबले 9 प्रतिशत बढ़ा। यह वृद्धि यात्रियों की बढ़ती संख्या, बेहतर क्षमता उपयोग और टिकटों के अच्छे दामों (यील्ड) की वजह से संभव हुई। कंपनी ने अपनी यात्री क्षमता में 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है, खासकर बड़े विमानों (वाइड-बॉडी एयरक्राफ्ट) को शामिल करके। इससे उसकी अंतरराष्ट्रीय और लंबी दूरी की उड़ानों का दायरा बढ़ा है। प्रबंधन को आने वाली दो तिमाहियों में दोहरे अंकों में विकास दर की उम्मीद है। इंडिगो का अंतरराष्ट्रीय विस्तार सही समय पर हुआ है, क्योंकि अगले 12-18 महीनों में एयर इंडिया की बढ़ती क्षमता से प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है। इसका मुकाबला करने के लिए इंडिगो अंतरराष्ट्रीय रूट्स पर अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने पर काम करेगी। इस समय अंतरराष्ट्रीय उड़ानें कुल क्षमता का 30 प्रतिशत हैं और अनुमान है कि स्न्न्30 तक यह 40 प्रतिशत हो जाएंगी। जहां राजस्व बढ़ा और ईंधन पर खर्च 10 प्रतिशत घटा, वहीं रुपये की कीमत गिरने से विदेशी मुद्रा में हुआ नुकसान (फॉरेक्स लॉस) दस गुना से अधिक बढ़ गया। इसकी वजह से कंपनी की ईबीआईटीडीएआर (किराया घटाने से पहले की कमाई) 64 प्रतिशत घटकर 860 करोड़ रुपये रह गई। अगर इस विदेशी मुद्रा के नुकसान को अलग रखा जाए, तो ईबीआईटीडीएआर 44 प्रतिशत बढ़कर 3,800 करोड़ रुपये हो जाती है। कंपनी का लगभग 80,000 करोड़ रुपये (9 बिलियन) का विदेशी मुद्रा एक्सपोजर है, इसलिए रुपये के हर एक रुपये गिरने पर उसे लगभग 900 करोड़ रुपये का नुकसान होता है।

ऑनलाइन अवैध हथियार और सेक्स डॉल्स बेच रही थी कंपनी, सरकार ने लिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। फ्रांस सरकार ने फैशन की दिग्गज कंपनी साइन की ऑनलाइन वेबसाइट तक पहुंच को अस्थायी रूप से रोकने का फैसला किया है। सरकार ने यह कदम तब उठाया है जब अधिकारियों ने साइन की वेबसाइट पर अवैध हथियार और बच्चों जैसी दिखने वाली सेक्स डॉल्स की बिक्री पाई। वित्त मंत्रालय के अनुसार, वेबसाइट पर क्लास ए श्रेणी के बड़ी मात्रा में अवैध हथियार मिले हैं, जिनमें बंदूकें, चाकू और अन्य युद्ध सामग्री शामिल हैं। यह फैसला ठीक उसी दिन आया जब पेरिस के एक प्रतिष्ठित डिपार्टमेंटल स्टोर में अपना पहला स्थायी दुकान खोला। इस खोलने के कार्यक्रम में खरीदारों की भीड़ तो जमा हुई, लेकिन विरोध करने वाले एक छोटे समूह ने भी वहां पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्हें सुरक्षा कर्मियों ने बाहर निकाल दिया। फ्रांस सरकार ने चेतावनी दी है कि अगर ये प्रतिबंधित सामान वेबसाइट से नहीं हटाए गए, तो वे पूरी साइट को फ्रांस में ब्लॉक कर सकते हैं। साइन ने जवाब में कहा है कि वह फ्रांसीसी अधिकारियों के साथ मिलकर काम करेगी और इस मुद्दे पर बातचीत कर रही है। कंपनी ने यह भी बताया कि उसने सभी सेक्स डॉल उत्पादों पर प्रतिबंध लगा दिया है और तीसरे पक्ष द्वारा बेचे जाने वाले उत्पादों की सूची को भी अस्थायी रूप से हटा दिया है।खिलाफ पहले से चली आ रही आलोचनाओं को और बढ़ा दिया है।

अब भाइयों पर पैसों की बारिश, पूरी तरह रोक दी बर्बादी

बर्बादी देख आया आइडिया, फेंकी जा रही चीज को सोना बना दिया...

नई दिल्ली, एजेंसी।
महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले की गगनबावड़ा तहसील में कटहल का भारी उत्पादन किसानों के लिए फायदे के बजाय नुकसान का कारण बन रहा था। अधिक उपज के कारण कीमतें गिरने और कटाई-ढुलाई का खर्च न निकलने के चलते किसान अक्सर कटहल फेंकने को मजबूर हो जाते थे। इसी बर्बादी को देख तेजस और राजेश पवार नाम के दो भाइयों ने एक बढ़िया समाधान निकाला। अपने माता-पिता के सुझाव को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने बर्बाद हो रहे कटहल से चिप्स और पारंपरिक मिठाई फणस पोली बनाना शुरू किया। उनका यह प्रयास सिर्फ एक छोटा पारिवारिक व्यवसाय नहीं रहा। इसने कटहल को नया व्यावसायिक जीवन दिया। आज, कटहल वीगन और ग्लूटेन-फ्री आहार के चलते मीट के विकल्प के रूप में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। 1,252 करोड़ रुपये के भारतीय कटहल उत्पाद बाजार में एंट्री करके पवार भाइयों ने न केवल किसानों को स्थिर आय का स्रोत दिया, बल्कि ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी पैदा किए। वे अपने कारोबार से लाखों की कमाई कर रहे हैं। आइए, यहां तेजस और राजेश पवार की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

तेजस ने जल्द ही महसूस किया कि व्यापार को बढ़ाने के लिए स्थानीय किसानों के साथ तालमेल बैठाना और कच्चे माल की निरंतर सप्लाई सुनिश्चित करना जरूरी है। 30 से 70 फीट ऊंचे पेड़ों से कटहल तोड़ना, बड़ा आकार, भारी वजन और चिपचिपे लेटेक्स के कारण यह मुश्किल और महंगा काम है। इसलिए कई किसान इसे तोड़ते ही नहीं थे।

पवार भाइयों ने प्रशिक्षित लोगों का इस्तेमाल करके कटहल की तुड़ाई शुरू की। किसानों को कटहल के लिए 30 रुपये से 70 रुपये प्रति किलोग्राम का भुगतान करना शुरू किया।

बर्बादी से इनोवेशन की शुरुआत

कोल्हापुर जिले की गगनबावड़ा तहसील में पले-बढ़े तेजस और राजेश पवार ने हमेशा कटहल की बर्बादी देखी। उनके गांव में लगभग हर किसान के पास पुरखों से मिले कटहल के पेड़ थे। इन पेड़ों से हर साल भारी उपज होती थी। इससे बाजार में कटहल भर जाता था। किसान अक्सर कटहल की तुड़ाई और इसे मंडी तक पहुंचाने में इतना खर्च कर देते थे, जितनी की बिक्री नहीं होती थी। इसलिए वे फल फेंकने को मजबूर हो जाते थे। पवार भाइयों के माता-पिता को जब एक रिश्तेदार ने कटहल चिप्स बनाने का सुझाव दिया तो उन्होंने 15 किलो चिप्स बनाकर कोल्हापुर में घर-घर बेचना शुरू कर दिया। शुरुआती सफलता और बढ़ती मांग को देखते हुए 2023 में आईटीआई पूरा करने के बाद तेजस ने इस व्यवसाय को वाणिज्यिक स्तर पर ले जाने का फैसला किया। उन्होंने चिप्स काटने और पैकेजिंग के लिए बुनियादी मशीनें लगाईं।

वैल्यू एडिशन का बढ़ता बाजार

तेजस और राजेश का यह कदम बिल्कुल सही समय पर आया। जैकफ्रूट वैल्यू एडिशन का व्यापार देश भर में तेजी से बढ़ रहा है। कटहल को मीट के विकल्प के रूप में इस्तेमाल करने के अलावा वीगन और ग्लूटेन-फ्री आहारों के उदय ने इस क्षेत्र को जबरदस्त बढ़ावा दिया है। हाई फाइबर, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट जैसे पोषक तत्वों के प्रति बढ़ती जागरूकता भी इसकी मांग बढ़ा रही है। चौधरी चरण सिंह राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में कटहल उत्पादों का बाजार 1,252 करोड़ रुपये का है। अगले पांच सालों में इसके 1580 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कटहल कबाब, बिरयानी और रेडी-टू-कुक आइटम्स की भारी मांग है।

भारत की पहली 'टायर बफिंग और ग्राइंडिंग मशीन' (वेट ग्रिप ऑन वॉर्न टायर) का उद्घाटन किया

पिथमपुर, एजेंसी।
टायर उद्योग में नवाचार की दिशा में अग्रणी कंपनी जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज़ने नैट्रैक्स, पिथमपुर में भारत की पहली सटीक 'टायर बफिंग और ग्राइंडिंग मशीन' (वेट ग्रिप ऑन वॉर्न टायर) का उद्घाटन किया। यह उद्घाटन देश में घिसे हुए टायरों के प्रदर्शन मूल्यांकन में आत्मनिर्भरता हासिल करने और टायर सुरक्षा को नए स्तर पर ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उद्घाटन समारोह में जेके टायर के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. रघुपति सिंघानिया, नैट्रैक्स के निदेशक डॉ. मनीष जायसवाल तथा अन्य वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। यह तकनीकी रूप से उन्नत मशीन ईसीई आर117 नियमन के अनुरूप है, जिसके तहत टायर की वेट ब्रेकिंग क्षमता का मूल्यांकन किया जाता है जब उसका ट्रेड डेप्थ कानूनी सीमा (1.6 मिमी) के करीब होता है। यह मशीन सी1 (पैसेंजर कार), सी2 (लाइट कमर्शियल), और सी3 (हेवी ट्रक/बस) श्रेणियों के घिसे हुए टायर नमूनों की तैयारी में मदद करेगी ताकि नाट्रैक्स में डब्ल्यू जी डब्ल्यू टी (वेट ग्रिप ऑन वॉर्न टायर) परीक्षण किया जा सके। इससे सभी वाहन श्रेणियों में व्यापक सुरक्षा परीक्षण संभव होगा। उद्घाटन के अवसर पर जेके टायर के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. रघुपति सिंघानिया ने कहा, नैट्रैक्स में प्रिसिजन टायर बफिंग और ग्राइंडिंग मशीन (वेट ग्रिप ऑन वॉर्न टायर) के उद्घाटन के साथ, जेके टायर ने भारत में टायर परीक्षण और सुरक्षा नवाचार को आगे बढ़ाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। यह हमारे नवाचार, तकनीकी नेतृत्व और आधुनिक इंजीनियरिंग के माध्यम से वाहन सुरक्षा को बेहतर बनाने की हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है, साथ ही विश्वस्तरीय परीक्षण अवसंरचना के निर्माण में हमारे योगदान को भी। इस नई सुविधा से जेके टायर की मौजूदा परीक्षण संबंधी प्रक्रिया और सशक्त होगी, जिससे एकीकृत परीक्षण इको सिस्टम तैयार होगा जो होमोलॉगेशन (मानकीकरण) और नए उत्पाद विकास दोनों को समर्थन देगा। नैट्रैक्स, इंदौर के साथ 2017 से जुड़ी कंपनी अपने वाहनों के स्तर पर हैंडलिंग, ब्रेकिंग, वेट ग्रिप और नॉइज़ मूल्यांकन जैसे परीक्षणों के लिए इन उन्नत सुविधाओं का उपयोग कर रही है। जेके टायर ने नैट्रैक्स में दो कार्यशालाओं, कुशल तकनीकी टीम, और अत्याधुनिक उपकरणों—जैसे स्किड ट्रेलर, स्टीयरिंग रोबोट और नॉइज़ माप प्रणाली—के साथ समर्पित परीक्षण अवसंरचना भी विकसित की है।

टीवीएस कंपनी ने मप्र में पेश किया टीवीएस ऑर्बिटर

न्यू इंडिया का स्मार्ट, टिकाऊ और शहरी ईवी आवागमन

भोपाल, एजेंसी।
दोपहिया और तिपहिया वाहनों की ग्लोबल लीडर टीवीएस मोटर कंपनी ने मध्य प्रदेश में अपने नए इलेक्ट्रिक स्कूटर टीवीएस ऑर्बिटर की लॉन्चिंग की घोषणा की। रोज़ाना के कम्यूट को नया रूप देने के लिए डिज़ाइन किया गया यह स्कूटर 158 किमी ढ्ढष्ठष्ट रेंज, क्रूज़ कंट्रोल, 34-लीटर बूट स्पेस, हिल होल्ड असिस्ट और एडवांस्ड कनेक्टेड फीचर्स जैसे कई सेगमेंट-फर्स्ट इनोवेशंस के साथ आता है। उद्योग में पहली बार 14 इंच के फ्रंट व्हील के साथ, यह स्कूटर ?94,900 (एक्स-शोरूम भोपाल, पीएम ई-ड्राइव स्कीम सहित) की आकर्षक कीमत पर बेजोड़ आराम, सुविधा और प्रदर्शन प्रदान करता है।

टीवीएस ऑर्बिटर में कनेक्टेड मोबाइल ऐप, फ्रंट एलईडी हेडलैम्प विद विज़र और कलर्ड स्ह्लष्ठ क्लस्टर जैसे एडवांस्ड फीचर्स शामिल हैं। 3.1 किलोवाट घंटा बैटरी और एयरोडायनामिक एफिशिएंसी इसे लंबी रेंज और स्मूथ परफॉर्मेंस प्रदान करते हैं।

टीवीएस ऑर्बिटर के लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, अनिरुद्ध हलदर, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट – हेड कम्यूटर और ईवी बिज़नेस व हेड कॉर्पोरेट ब्रांड एंड मीडिया, टीवीएस मोटर कंपनी ने कहा, हम भारत की ईवी मोबिलिटी यात्रा को भरोसे और इनोवेशन के साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। टीवीएस ऑर्बिटर ग्राहकों की बदलती ज़रूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जिसमें हर रोज़ का प्रैक्टिकैलिटी, एडवांस्ड टेक्नोलॉजी, आराम और कई सेगमेंट-फर्स्ट फीचर्स शामिल हैं। हमें विश्वास है कि यह स्कूटर इस सेगमेंट में नए मानक स्थापित करेगा और सस्टेनेबल मोबिलिटी को आसान और आकर्षक बनाएगा।

दक्षता और नियंत्रण के लिए डिज़ाइन किया गया: 3.1 किलोवाट घंटा की बैटरी से लैस, टीवीएस ऑर्बिटर 158 किमी की प्रभावशाली आईडीसी रेंज प्रदान करता है। इसकी बेहतर एयरोडायनामिक एफिशिएंसी स्थिरता और ऊर्जा प्रदर्शन दोनों में सुधार करती है, जबकि 14 इंच का फ्रंट व्हील, गतिशील रियर कॉन्फ़िगरेशन के साथ मिलकर शहरी वातावरण में असाधारण पकड़, सटीक हैंडलिंग और आत्मविश्वास से भरी गतिशीलता सुनिश्चित करता है। सीधा एर्गोनोमिक हैंडलबार सवारी की गतिशीलता को और बढ़ाता है, बेहतर आराम और सहज नियंत्रण प्रदान करता है।

डिज़ाइन के पीछे का सोच: टीवीएस ऑर्बिटर का डिज़ाइन आधुनिक, आकर्षक और उद्देश्यपूर्ण है। 845 मिमी लंबी सीट राइडर और पिलियन दोनों के लिए आरामदायक है, जबकि 290 मिमी फुटबोर्ड पर्याप्त लेगरूम देता है। 34-लीटर अंडर-सीट स्टोरेज में दो हेलमेट आसानी से आ जाते हैं।

भारी डिस्काउंट पर बिकने वाला है आरबीएल बैंक का शेयर

विदेशी लेंडर का ओपन ऑफर

नई दिल्ली, एजेंसी। प्राइवेट सेक्टर के आरबीएल बैंक में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए एमिरेट्स एनबीडी बैंक ने एक ओपन ऑफर का प्रस्ताव रखा है। इसके तहत 280 रुपये की दर से शेयर बेचे जाएंगे। शेयरधारक 12 दिसंबर से 26 दिसंबर तक शेयर बेच सकते हैं, बशर्ते सेबी की मंजूरी मिल जाए। ओपन ऑफर की कुल राशि 11,636 करोड़ रुपये तय की गई है, बशर्ते यह ऑफर पूरी तरह से स्वीकार कर लिया जाए। बता दें कि एमिरेट्स एनबीडी ने आरबीएल बैंक में बहुलांश हिस्सेदारी हासिल करने के लिए 3 अरब डॉलर (26,850 करोड़ रुपये) निवेश करने पर सहमति जताई है, जो किसी विदेशी वित्तीय संस्थान द्वारा किसी भारतीय बैंक का सबसे बड़ा अधिग्रहण और भारत के बैंकिंग क्षेत्र में सबसे बड़ा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश

(एफडीआई) है।

इस डील में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए खुली पेशकश शामिल है, जिसके बाद तरजीही आवंटन होगा, जिससे आरबीएल बैंक में एमिरेट्स एनबीडी की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत हो जाएगी। निवेशकों को उम्मीद नहीं है कि ओपन ऑफर में ज्यादा शेयर पेश किए जाएंगे क्योंकि यह आरबीएल बैंक के मौजूदा बाजार मूल्य 324 रुपये की तुलना में 280 रुपये की भारी डिस्काउंट पर आ रहा है।

चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में आरबीएल बैंक का नेट प्रॉफिट 16 प्रतिशत बढ़कर 160 करोड़ रुपये रहा। बैंक ने एक साल पहले इसी तिमाही में 138 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। आरबीएल बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि तिमाही के दौरान उसकी कुल आय बढ़कर 1,458 करोड़ रुपये हो गई जो एक साल पहले 2024-25 की इसी तिमाही में 1,064 करोड़ रुपये थी। बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान 1,109 करोड़ रुपये की ब्याज आय अर्जित की, जबकि एक साल पहले यह 865 करोड़ रुपये थी। शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 15 प्रतिशत बढ़कर 424 करोड़ रुपये हो गई जो एक साल पहले इसी तिमाही में 367 करोड़ रुपये थी। बैंक की ग्रॉस गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) सितंबर, 2025 के अंत तक बढ़कर कुल कर्ज का 1.81 प्रतिशत रहीं।

शॉपर्स स्टॉप ने अपना नया वेडिंग कलेक्शन लॉन्च किया

मुंबई, एजेंसी।
भारत के प्रमुख प्रीमियम फैशन, ब्यूटी और गिफ्टिंग ब्रांड शॉपर्स स्टॉप ने अपने शानदार वेडिंग कलेक्शन को 'इंडिया वेड्स विद शॉपर्स स्टॉप'अभियान के तहत लॉन्च किया है। भारतीय शादियों की खूबसूरती और विविधता को दिखाते हुए, यह कलेक्शन शादी से जुड़े हर सदस्य के लिए चुने हुए कपड़े और एक्सेसरीज का खास संग्रह पेश करता है, जो पारंपरिक कला और आधुनिक स्टाइल का सुंदर मेल है। शॉपर्स स्टॉप के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ, कस्टमर केयर एसोसिएट, कविंद्र मिश्रा ने कहा, भारत में शादियाँ रंग, संस्कृति और रिश्तों के धागों से बुना हुआ एक सुंदर उत्सव होता हैं। हमारा यह कलेक्शन शादी करने वाले समुदाय को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, ताकि इस शादी के मौसम में हर कोई

अपना सबसे बेहतरीन लुक दिखा सके। 'इंडिया वेड्स विथ शॉपर्स स्टॉप' अभियान के तहत, ग्राहक शादी की तैयारी के लिए जरूरी हर चीज एक ही जगह पर पा सकते हैं। 500 से अधिक प्रीमियम ब्रांड्स की विस्तृत रेंज के साथ, शॉपर्स स्टॉप एक संपूर्ण वेडिंग शॉपिंग डेस्टिनेशन पेश करता है, जहाँ फैशन, ब्यूटी, गिफ्टिंग और होम प्रोडक्ट्स का बेहतरीन मेल है, इसके साथ ही, ब्रांड की खास पर्सनल शॉपर वेडिंग कंसीयर्ज सर्विस के जरिए ग्राहकों को विशेषज्ञ स्टाइलिंग की सुविधा भी मिलती है। इस शादी के मौसम में शॉपर्स स्टॉप के साथ प्यार, स्टाइल और परंपरा का जश्न मनाइए। अपने नजदीकी स्टोर पर जाएँ खास ऑफर्स देखें, और इंडिया वेड्स विद शॉपर्स स्टॉप अभियान का हिस्सा बनकर अपनी शादी की तैयारियों को वाकई यादगार बनाइए।

आईपीओ खुलने से पहले ही अरबपति बन गए कंपनी के मालिक, 109 प्राइस बैंड

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की प्रमुख एडटेक सेवा प्रदाता कंपनी फिजिक्सवाला लिमिटेड ने अपने आगामी 3,480 करोड़ के इनिशियल पब्लिक ऑफर के लिए प्राइस बैंड तय कर दिया है। कंपनी ने गुरुवार को घोषणा की कि उसके आईपीओ का प्राइस बैंड 103 से 109 प्रति शेयर रहेगा। बता दें कि फिजिक्सवाला लिमिटेड के आईपीओ की घोषणा के साथ ही इसके दोनों संस्थापक अलख पांडे और प्रतीक बूब अरबपतियों की सूची में शामिल हो गए हैं। तीन दिन तक चलने वाला यह इश्यू 11 नवंबर (मंगलवार) को खुलेगा और 13 नवंबर (गुरुवार) को बंद होगा। कंपनी के शेयर ग्रे मार्केट में 9 प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हैं।

ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के अनुसार, दोनों संस्थापक पांडे और बूब के पास प्रत्येक के 105.12 करोड़ शेयर हैं, जो कंपनी में 40.31 प्रतिशत हिस्सेदारी का प्रतिनिधित्व करते हैं। अपर प्राइस बैंड यानी 109 प्रति शेयर पर, दोनों की व्यक्तिगत हिस्सेदारी का मूल्य लगभग 11,458 करोड़ (करीब

.1.29 बिलियन) बनता है। रिपोर्ट के मुताबिक, इन शेयरों की अधिग्रहण लागत लगभग न के बराबर है, यानी इन्हें बहुत कम मूल्य पर प्राप्त किया गया था। मार्च 2025 में कंपनी ने अपने शेयरधारकों को 35¬1 अनुपात में बोनस शेयर जारी किए थे। इस बोनस जारी करने से पहले, जून 2024 तक दोनों संस्थापकों के पास 3 करोड़ शेयर थे, जो कंपनी में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर थे। बोनस के बाद यह संख्या बढ़कर 105.12 करोड़ शेयर हो गई।

आईपीओ का स्ट्रक्चर

कंपनी का यह पब्लिक इश्यू दो हिस्सों में बंटा है। इसमें 3,100 करोड़ का फ्रेश इश्यू और 380 करोड़ का ऑफर फॉर सेल शामिल है। इसका मतलब है कि इस इश्यू से जुटाई गई राशि का बड़ा हिस्सा कंपनी के विस्तार और विकास के कामों में इस्तेमाल किया जाएगा, जबकि एक हिस्सा मौजूदा निवेशकों द्वारा अपनी हिस्सेदारी बेचने के रूप में आएगा।

इस आईपीओ में 75 प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए आरक्षित किया गया है।

छह दिनों में 1,441 भारतीय शहरों और 109 देशों के 834 शहरों में प्रॉपर्टी बुकिंग

गुरुग्राम, एजेंसी।
मेकमायट्रिप के पहले'ट्रैवल का मुहूर्त' (29 अक्टूबर से 3 नवंबर) के शुरुआती छह दिनों के रुझान बताते हैं कि भारतीय यात्री अब पहले से फ्लाइट्स की योजना बना रहे हैं, नई जगहों की खोज के साथ प्रीमियम होटलों को प्राथमिकता दे रहे हैं और आकर्षक डील्स व ऑफर्स के ज़रिए बचत के अवसरों की तलाश कर रहे हैं। साल के अंत की फ्लाइट्स की अग्रिम बुकिंग दोगुनी हो गई है, जो होटल औरहोमस्टे बुकिंग्स के लिए भी सकारात्मक संकेत है, क्योंकि वे सामान्यतः अगले चरण में होती हैं। इस अवधि में प्रीमियम विकल्पों की ओर रुझान और श्रेणियों का विस्तार मुख्य आकर्षण रहे।

पहले छह दिनों में की गई बुकिंग्स यात्रियों की व्यापक भागीदारी को दर्शाती हैं। घरेलू स्तर पर यात्रियों ने भारतभर में फ्लाइट्स बुक कीं, जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बुकिंग्स 115 देशों के 362 एयरपोर्ट्स तक फैलीं, जिनकी सेवा 113 एयरलाइंस द्वारा की गई।स्टे के मोर्चे पर, अंतरराष्ट्रीय आवास बुकिंग्स 109 देशों के 834 शहरों में स्थित 7,911 यूनिक प्रॉपर्टीज़ को कवर करती हैं। घरेलू स्तर पर यात्रियों ने 1,441 भारतीय शहरों में 40,038 यूनिक प्रॉपर्टीज़ बुक कीं, जिनमें से 603 प्रॉपर्टीज़ ऐसी थीं जो एक वर्ष से अधिक समय बाद बिकीं।

प्रीमियमाइजेशन इस अवधि की प्रमुख थीम बनी रही, हालांकि यात्रियों ने वैल्यू पर भी समान ध्यान दिया।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई-प्रणाली के अंतर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य सामग्री प्रबंधक उत्तर रेलवे जगाधरी वर्कशॉप-135002 द्वारा फर्मों को निम्नलिखित मदों के लिए ई-निविदाओं के माध्यम से आमंत्रित किया जाता है:-

क्र.सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	बंद होने की तिथि
1.	61256685	स्टिफनर प्लेट ऑफ फ्रंट कैरीएर प्लेट	8170 नग	01 दिसम्बर 2025

निविदा शर्तें-1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानी **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है। **2.** मैनुअल निविदा स्वीकृत नही की जायेगी।
टेंडर नोटिस संख्या: 61256685
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ
3445/25

Superintending Engineer 4th Circle, HPPWD Shimla
(Name of Authority Inviting Bids)

NOTICE INVITING TENDER (NIT)

The Superintending Engineer Shimla Circle HPPWD Shimla on behalf of Governor of Himachal Pradesh invites the percentage rate/ item rate bids, in electronic tendering system, for construction of following work from the eligible and approved contractors registered with HPPWD and HP Jal Shakti Vibhag (Contractors of HP Jal Shakti Vibhag are eligible to participate for the works having amount put to tender above Rs. 100 Lacs). Non registered contractors may submit the bids, however successful bidder has to register in appropriate class with appropriate authority in HPPWD.

District	Name of the work	Total Cost (Rs. Lakh)	Starting date for downloading bid	Form Cost	Deadline for submission of bid	Period of Completion	Bid Security (Rs. Lakh)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
Shimla	C/o of Govt. Polytechnic College at Basantpur (SH:- C/o Building portion (Frame Work) and Site Development.	11,78,76,375/-	10.11.2025	20000/-	17.11.2025	18 Months	21,78,800/-

The bidders are advised to note other details of tenders from the departmental website www.hptender.gov.in
The Superintending Engineer reserves the right to accept/reject any tender/application or all tenders without assigning any reason.

Superintending Engineer,
4th Circle, H.P.P.W.D., Shimla-3
E-mail: hp-shi3@nic.in

R.No. 4180/2025-2026

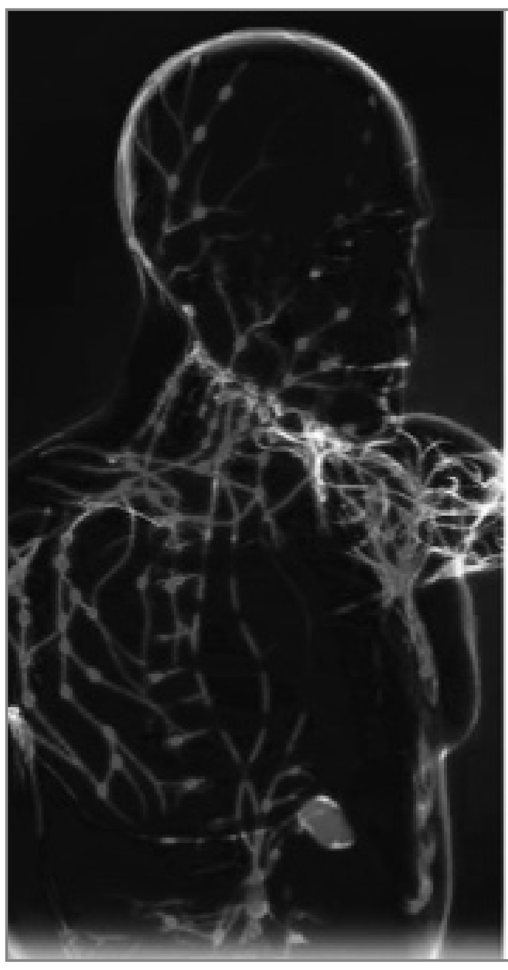

सर्दियों में ब्लड फ्लो बढ़ाने के लिए करें ये काम

ठंड के दिनों में बॉडी में ब्लड सर्कुलेशन कम हो जाता है, जिसके वजह से हार्ट को ब्लड पंप करने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ती है। यह कारण हार्ट अटैक का सबब भी बन सकता है। इसलिए ब्लड फ्लो को बढ़ाने के लिए ये उपाय करना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

आपके बॉडी के सभी अंगों को सही तरह से काम करने के लिए ऑक्सीजन युक्त ब्लड की आवश्यकता होती है। जिसकी पूर्ति आपकी बॉडी में मौजूद 60 हजार खून की नलियों के जरिए हार्ट करता है। लेकिन जब आपका सर्कुलेशन खराब होता है, तो ब्लड फ्लो धीमा या अवरुद्ध हो जाता है। जिससे आपके शरीर की कोशिकाओं को ऑक्सीजन और वे सभी पोषक तत्व नहीं मिल पाते हैं जिनकी उन्हें जरूरत होती है।

खराब सर्कुलेशन की दिक्कत तब होती है जब नसों में गंदा फैट जमा हो जाता है, खून का थक्का बनने लगता है या खून की नसें सिकुड़ने लगती है। वैसे तो ये सभी कारण आपकी मेडिकल कंडीशन या खराब जीवनशैली का परिणाम होते हैं। लेकिन ठंड के दिनों में आमतौर पर नसें सिकुड़ने लगती है। जो कुछ मामलों में स्ट्रोक या हार्ट अटैक का कारण भी हो सकती है। इसलिए खराब सर्कुलेशन के लक्षण दिखते ही इसमें सुधार के उपायों को करना फायदेमंद साबित हो सकता है।

खराब ब्लड सर्कुलेशन के लक्षण

- चलने से मांसपेशियों में दर्द
- त्वचा में झुनझुनी
- त्वचा का रंग पीला या नीला
- उंगलियां का ठंडा पड़ना
- छाती में दर्द
- नसों में सूजन

धूम्रपान से करें परहेज

सिगरेट, इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट और धुंआ रहित तंबाकू में निकोटिन मौजूद होता है। जो आपकी खून की नसों की दीवारों को हानि पहुँचाता है और आपके खून को इतना गाढ़ा कर देता है कि वह अच्छी तरह बह नहीं पाता है। ऐसे में यदि आप धूम्रपान करते हैं, तो छोड़ दें।

ब्लड प्रेशर को रखें कंट्रोल

हाई ब्लड प्रेशर धमनियों की अंदरूनी परत की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा सकता है। जब आहार से वसा ब्लड फ्लो में प्रवेश करते हैं, तो वे क्षतिग्रस्त धमनियों में जमा होने लगते हैं। जिससे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन में रुकावट पैदा होने लगती है।

बॉडी को हाइड्रेट रखें

खून लगभग आधा पानी से बना होता है। इसलिए आपको इसे बहने योग्य बनाए रखने के लिए हाइड्रेटेड रहने की जरूरत है। एक दिन में 8 गिलास पानी का लक्ष्य रखें। यदि आप व्यायाम करते हैं, तो अधिक मात्रा में पानी का सेवन करें।

खूब खाएं प्लांट बेस्ड फूड

ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाए रखने के लिए हेल्दी फूड का सेवन बहुत जरूरी होता है। ऐसे में बहुत सारे फल और सब्जियां खाएं। संतृप्त वसा से दूर रहें जो लाल मांस, चिकन, पनीर और अन्य एनिमल बेस्ड फूड में पाया जाता है। इसके साथ ही ज्यादा नमक के सेवन से बचें। यह आपके हेल्दी वेट को बनाए रखने और आपके कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने के साथ आपकी धमनियों को साफ रखता है।

नहाने के लिए इस्तेमाल करें गर्म पानी

हालांकि गर्म पानी से बाथ ब्लड सर्कुलेशन को ठीक करने का एक अस्थायी उपाय है, लेकिन स्नान आपके सर्कुलेशन को किक-स्टार्ट करने का एक शानदार तरीका है। गर्म पानी आपकी धमनियों और नसों को थोड़ा चौड़ा कर देता है, जिससे ब्लड फ्लो अच्छे से होता है। इसके अलावा गर्म पानी या चाय भी आपकी नसों को खोलने का काम करती है।

सेहत को नुकसान नहीं पहुंचाती व्हिस्की टी

सुबह की चाय पूरे दिन के लिए एनर्जी डोज की तरह होती है, जिसके बिना कुछ लोगों का दिन ही शुरू नहीं होता। वहीं, सर्दियों का मौसम भी चाय की चुस्कियों के बिना अधूरा ही लगता है लेकिन चाय में मौजूद कैफीन सेहत के लिए हानिकारक होता है। ऐसे में क्यों ना इस हेल्ड चाय पीकर सेहत व दिन को बेहतर बनाया जाए। आज हम आपको व्हिस्की टी के बारे में बताने जा रहे हैं, जो बनती तो आम चाय की तरह ही लेकिन यह सेहत को कोई नुकसान नहीं पहुंचाती।

एल्कोहलिक नहीं सेहत के लिए फायदेमंद

वैसे आपको ये भी बता दें कि इस चाय को पीने से आपको कोई नशा होगा क्योंकि इसमें इस्तेमाल होने वाली व्हिस्की नॉन एल्कोहलिक होती है। हालांकि इसका स्वाद थोड़ा अलग होता है लेकिन यह सेहत को नुकसान की बजाए फायदा पहुंचाती है।
व्हिस्की-टी पीने के फायदे -

सर्दी-जुकाम से राहत

सर्दी के मौसम में ठंडी हवा के कारण खांसी व जुकाम की समस्या आम देखने को मिलती है। व्हिस्की में मौजूद फायटोकेमिकल्स और अन्य पोषक तत्व सर्दी-जुकाम व दूसरे संक्रमण से बचाने में मदद करते हैं।

हाइपरटेंशन से निजात

इसमें पाए जाने वाला क्वेरसेटिन नाम का पिग्मेंट, ब्लड क्लॉट बनने से रोकता है, जिससे हाइपरटेंशन का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है।

अनिद्रा की समस्या

अगर आपको नींद न आने की समस्या तो रोजाना सोने से पहले इस चाय का सेवन करें। इसेस आपको अच्छी व गहरी नींद आएगी।

पेट से जुड़ी परेशानियां

इस चाय में पाए जाने वाले तत्व पेट जुड़ी समस्याएं जैसे कब्ज, एसिडिटी, पेट दर्द और एसिडिटी जैसी समस्याओं को दूर करता है। इसके अलावा रोज इसकी चाय पीने से पाचन क्रिया भी दुरूस्त रहती है।

वजन कंट्रोल करने में मददगार

अन्य चाय में कैफीन की मात्रा अधिक होने के कारण वह वजन बढ़ाने का काम करती है लेकिन यह चाय बिल्कुल फैट फ्री है। ऐसे में अगर आप वजन कंट्रोल करना चाहते हैं तो इस चाय को डाइट में जरूर शामिल करें।

तनाव या टेंशन

वर्क प्रेशर के चलते आजकल हर कोई स्ट्रेस या तनाव की समस्या से झूझ रहा है। मगर इस चाय में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट तत्व नर्वस सिस्टम को रीलैक्स करके तनाव व स्ट्रेस को दूर करते हैं, जिससे आप डिप्रेशन जैसी समस्याओं से भी बचे जाते हैं।

इम्यून सिस्टम को करती है बूस्ट

व्हिस्की-टी में विटामिन सी और ए भरपूर मात्रा में होता हैं, जोकि एंटीऑक्सीडेंट के रूप में कार्य करते हैं। ऐसे में इसका सेवन इम्यून सिस्टम को बूस्ट करके आपको कई बीमारियों से बचाता है।

चाय बनाने के लिए सामग्री

सिंगल माल्ट - 2 चम्मच, ब्लैक टी बैग- 1, पानी- 350 ml, दालचीनी- 02 ग्राम, चीनी पाउडर- स्वादानुसार

व्हिस्की चाय बनाने की विधि

चाय बनाने के लिए आप सबसे पहले एक बाउल में 2 चम्मच नॉन एल्कोहलिक सिंगल माल्टस 1 ब्लैक टी बैग और दालचीनी डालकर मिलाएं। अब इसे इंफ्यूज करने के लिए इसमें पानी डालकर 40 मिनट तक ढककर रखें। फिर इसे चम्मच से अच्छी तरह मिक्स करें। आप चाहें तो इसमें चीनी का पाउडर डालकर इसे मीठा कर सकते हैं। इसके बाद इसमें बर्फ के टुकड़े डालकर फ्रिज में ठंडा होने के लिए रख दें और कुछ देर बाद इसका सेवन करें।

टेस्ट के साथ वजन घटाने में भी मदद करती है काली मिर्च

अगर आपके भी वजन घटाने का समय नहीं है तो आप अपने खान-पान में ऐसी चीजें शामिल कर सकते हैं जो वजन घटाने में मददगार होती हैं। काली मिर्च एक मसाला है जो टेस्ट के साथ वजन घटाने में भी मदद करता है। बच्चे और बड़े दोनों इसका सेवन कर सकते हैं। अगर इसका इस्तेमाल नियमित रूप से किया जाए तो कई गंभीर रोगों से बचा सकता है।

खराब लाइफस्टाइल और बाहर का खाना लोगों को सौगात में मोटापा दे रहा है और तो और भागदौड़ भरी जिंदगी के चलते लोग वजन कम करने के लिए ज्यादा मेहनत भी नही करना चाहते। अगर आपके भी वजन घटाने का समय नहीं हैं तो आप अपने खान-पान में ऐसी चीजें शामिल कर सकते हैं जो वजन घटाने में मददगार होती हैं। काली मिर्च एक मसाला हैं जो टेस्ट के साथ वजन घटाने में भी मदद करता है। बच्चे और बड़े दोनों इसका सेवन कर सकते हैं। अगर इसका इस्तेमाल नियमित रूप से किया जाए तो कई गंभीर रोगों से बचा सकता है। आज हम आपको काली मिर्च से वजन घटाने का तरीका और इसके अन्य फायदे बताएंगे।

वजन घटाने के लिए काली मिर्च

काली मिर्च में आयरन, पोटैशियम, मैग्नीशियम, मैंगनीज, जिंक, क्रोमियम, विटामिन-ए, सी, और अन्य पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसमें फाइट न्यूट्रियंस होते हैं जो वसा की बाहरी परत को तोड़कर शरीर में वसा जमा नहीं होने देते। इसका इस्तेमाल करने से वजन घटाने के अलावा कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से भी बचा जा सकता है। इसके साथ यह सर्दी-जुकाम में भी बहुत फायदेमंद है। मोटापे से छुटकारा पाना चाहते हैं तो काली मिर्च आपके लिए काफी फायदेमंद होगी। पकी हुए सब्जी की एक कटोरी में 1 चुटकी काली मिर्च पाउडर डाल कर सेवन करें। नियमित रूप से इसे खाने पर आपका वजन कम होगा। इसके अलावा आप सलाद ,दही व हर्बल टी में इसे मिलाकर भी खा सकते हैं। इसकी आपको सिर्फ 1 से 2 चुटकी मात्रा ही लेनी हैं।

काली मिर्च के अन्य फायदे

कैंसर से करे बचाव

कैंसर एक खतरनाक बीमारी है जिससे बाहर निकलना काफी मुश्किल है। काली मिर्च कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से बचाने में मदद करती है। इसके नियमित सेवन से स्तन कैंसर की गांठ नहीं बनती है। काली मिर्च में विटामिन-सी, ए, फ्लेवोनॉयड्स, कारोटेन्स और अन्य एंटी-ऑक्सीडेंट पाये जाते हैं। यह कैंसर को रोकने में काफी मदद करते हैं।

पेट संबंधी समस्याओं से राहत

खराब व अनियमित खान-पान के चलते लोगों को पेट संबंधी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता हैं। अपच, दस्त, कब्ज और खट्टी डकार आदि से राहत पाने के लिए काली मिर्च के सेवन करना काफी फायदेमंद होता है। इससे पेट की पाचन क्रिया सही होती है।

त्वचा की खूबसूरती

काली मिर्च ना सिर्फ शरीर को रोगों से बचाती है बल्कि यह त्वचा को निखारने का भी काम करती है। काली मिर्च को दरदरा पीस कर चेहरे पर स्क्रब करने से त्वचा में चमक आती है। साथ ही कील-मुंहासे भी दूर हो जाएंगे। इससे डेड स्किन भी निकल जाती है।

प्रदूषण का आंखों पर होता है ये असर

प्रदूषित पर्यावरण, बढ़ते वायु प्रदूषण और अल्ट्रा वॉयलेट किरणों के बढ़ते प्रभाव की वजह से आंखों पर भी प्रभाव पड़ रहा है। कॉर्निया, पलकों, सिलेरिया और यहां तक कि लेंस पर भी पर्यावरण का असर होता है। बढते तापमान और पर्यावरण के चक्र में आते बदलाव के चलते क्षेत्र में हवा खुश्क हो रही है। इस वजह से आंखें में ज्यादा खुश्की आ रही है, जिसके चलते आंसू नहीं बनते या बहुत जल्दी सूख जाते हैं। वायु प्रदूषण लंबे समय से सांस प्रणाली की समस्याओं का कारण बन रहा है। हाल ही में इसका असर आंखों पर भी नजर आने लगा है। लकडी या कोयले जलते समय उसके संपर्क में आने से विकासशील देशों में ट्रोचमा की वजह से आंखों में जख्म हो जाते हैं। उम्रभर संक्रमण होने से पलकों के अंदर जख्म हो सकते हैं, जिससे पलकें अंदर की ओर मुड जाती हैं और कोर्निया से रगड़ खाने लगती हैं और क्षति पहुंचा देती हैं, जिससे नजर भी चली जाती है।

ओजोन की क्षति होने से अल्ट्रावायलेट किरणों का असर बढ़ रहा है, जिससे कोर्टिकल कैटेरेक्ट का खतरा बढ़ जाता है। सूर्य की खतरनाक किरणों के लगातार संपर्क में आने से आंखों के लेंस के प्रोटीन की व्यवस्था बिगड़ सकती है और लेन्ज एपिथीलियम को क्षति पहुंच सकता है, जिससे लेंस धुंधला हो जाता है। वह कहते हैं कि हैट पहनने से यूवी का असर 30 प्रतिशत तक कम हो सकता है। यूवी प्रोटेक्शन वाला साधारण धूप का चश्मा लगाने से 100 प्रतिशत तक सुरक्षा हो सकती है। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि पूरे समाज को आंखों को होने वाले गंभीर नुकसान के बारे में जागरूक होना चाहिए। भारतीय लोगों में पहले ही विटामिन-डी की कमी है, इसलिए इन सावधानियों पर गौर करना बेहद जरूरी है।

रात की डाइट में शामिल करें ये स्नैक्स

अधिकतर लोग समझते हैं कि स्वस्थ रहने के लिए हेल्दी खाना ही काफी होता है। मगर बिजी लाइफ के चलते या स्टूडेंट्स द्वारा रात देर रात तक जागकर पढ़ते रहने से खाने की क्रैविंग होने लगती है जो हेल्थ के लिए ठीक नहीं। इस समस्या से बचने के लिए कुछ ऐसे स्नैक्स का सेवन जरुर करना चाहिए, जो खाने की क्रैविंग को कम करें और आपको हैल्दी रखें। स्नैक्स ना सिर्फ बॉडी में इंफैक्शन को रोकते है साथ ही साथ वजन को भी कम करने मदद करते है। आइए जानते है कुछ ऐसे ही हेल्दी स्नैक्स जिन्हें आप रात की डाइट में शामिल कर सकते हैं।

वेजिटेबल ऑमलेट

वेजिटेबल ऑमलेट कई प्रकार की सब्जियों से बनता है जो बॉडी को फाइबर, प्रोटीन और कई प्रकार के पोषक तत्व प्रदान करता है। ये रात के वक्त आपकी भूख को कम करते है और नींद दिलाने में मदद करते है।

दलिया

दलिया में फाइबर होता है जिससे भूख कम लगती है। फाइबर से शरीर का वजन ठीक रहता है और इससे ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल में रहता है। इसके अलावा, अच्छी नींद के लिए दलिया खाना फायदेमंद होता है।

नट्स और फल

वैसे तो हम नट्स और फलों को किसी भी वक्त खा सकते है क्योंकि यह सेहत के लिए हेल्दी ही होते है। इनमें फाइबर, फॉस्फोरस और विटामिन-सी भरपूर मात्रा में होते हैं। इनका रात को सेवन करने से नींद अच्छी आती है और भूख भी कम लगती है।

बादाम

अगर आप नियमित रुप से बादाम खाते है तो आप कई पुरानी बीमारियों से बचे रह सकते है। बादाम दिल से जुड़ी बीमारियों से भी बचाता है। बादाम में मोनोअनसेचुरेटेड फेट, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स होता है जो शरीर को स्वस्थ रखता है। इसलिए रात को बादाम खाना सेहत के लिए अच्छा होता है।

मखाना

अगर आपको हर 2-3 घंटे बाद भूख लगती है तो अपनी डाइट में मखानों को शामिल करें क्योंकि इसमे कम वसा होती है जिसे खाने से न तो फैट बढ़ती और न हीं खाने की क्रेविंग रहती हैं।

डेलॉय की रिपोर्ट: कर्ज तक सीमित पहुंच समेत कई चुनौतियों से जूझ रहा एमएसएमई क्षेत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) औपचारिक ऋण तक सीमित पहुंच जैसी कई संरचनात्मक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इससे इन उद्योगों की उत्पादकता प्रभावित हो रही है। हालांकि, उनकी डिजिटल तैयारी एक उज्ज्वल बिंदु है। डेलॉय इंडिया की बुधवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) समकक्षों की तुलना में डिजिटल तत्परता के उच्च स्तर का प्रदर्शन करने के बावजूद भारतीय एमएसएमई बड़े उद्यमों की उत्पादकता के सिर्फ 18 फीसदी पर काम करते हैं। ओईसीडी अर्थव्यवस्थाओं में यह 45-70 फीसदी है।यह अंतर वैश्विक समकक्षों की तुलना में उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता को सीमित करता है। डेलॉय इंडिया की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने कहा, जीडीपी में करीब 30 फीसदी का योगदान करने वाला भारत का एमएसएमई क्षेत्र पुरानी प्रौद्योगिकी, नियामकीय जटिलताएं और बुनियादी ढांचे की समस्याओं से भी जूझ रहा है। डेलॉय एमएसएमई चुनौती सूचकांक डेलॉय के एमएसएमई चुनौती सूचकांक के अनुसार, सिले परिधान जैसे क्षेत्रों में एमएसएमई को ऋण संबंधी गंभीर बाधाओं का सामना करना पड़ता है, क्योंकि जोखिम बहुत अधिक हैं। इनमें कम मुनाफा और तीव्र वैश्विक प्रतिस्पर्धा शामिल है, जिससे उनके उत्पादों की प्रतिस्थापना कठिन हो जाती है। एमएसएमई क्षेत्र का निर्यात में 45 फीसदी योगदान है।यह 24 करोड़ से अधिक लोगों को आजीविका प्रदान करता है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने इस बैंक की बेच दी पूरी हिस्सेदारी, दो साल में ही काटा 62.5 प्रतिशत का मुनाफा

मुंबई, एजेंसी। आनंद महिंद्रा की कंपनी महिंद्रा

एंड महिंद्रा ने आरबीएल बैंक में अपनी पूरी की पूरी, 3.53 प्रतिशत की हिस्सेदारी बेच दी है। यह सौदा 678 करोड़ रुपये में हुआ है। इस बिक्री से कंपनी को अपने निवेश पर 62.5 प्रतिशत का तगड़ा मुनाफा हुआ है। मुंबई की यह बड़ी कंपनी, महिंद्रा एंड महिंद्रा ने 26 जुलाई 2023 को आरबीएल बैंक में यह हिस्सेदारी खरीदी थी। तब कंपनी ने इसमें 417 करोड़ रुपये का निवेश किया था। कंपनी ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया, हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि कंपनी ने आज आरबीएल बैंक में अपनी पूरी हिस्सेदारी 678 करोड़ रुपये में बेच दी है। यह हमारे निवेश पर 62.5 प्रतिशत का लाभ है। इस खबर के उजागर होने के बाद, क्रस्श पर रूरूके शेयर गुरुवार को 12 बजे 1.84 प्रतिशत चढ़कर 3,647.50 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। इस घोषणा के बाद आरबीएल के शेयर भी चए गए। दिन के 12 बजे इसके शेयर 1.06 फीसदी बढ़ कर 327.45 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। शुरुआत में आरबीएल बैंक में निवेश करने के बाद, रूरूके मैनेजिंग डायरेक्टर, अनीश शाह ने कहा था कि कंपनी आरबीएल बैंक में अपनी हिस्सेदारी 9.9 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ाने का कोई इरादा नहीं रखती है, जब तक कि कोई बहुत खास वजह न हो। शाह ने कहा था, फिलहाल, हम हिस्सेदारी बढ़ाने के बारे में नहीं सोच रहे हैं। लेकिन इससे हमें बैंकिंग सेक्टर को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलती है। यह लगभग 40,000 करोड़ रुपये के मार्केट कैपिटलाइजेशन वाले बिजनेस के लिए वैल्यू बढ़ाने में मददगार है।

अक्तूबर में पांच महीने के निचले स्तर पर पहुंचा पीएमआई

भारत के सेवा क्षेत्र की रफ्तार धीमी

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत के सेवा क्षेत्र ने अक्तूबर में धीमा प्रदर्शन किया। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) के अनुसार विकास की गति पांच महीने के निचले स्तर पर आ गई। सूचकांक सितंबर के 60.9 से गिरकर अक्तूबर में 58.9 पर आ गया। हालांकि, यह स्तर अब भी 50 के तटस्थ अंक से ऊपर है, जो बताता है कि सेवा क्षेत्र में गतिविधियां अब भी विस्तार के दायरे में बनी हुई हैं।

एसएंडपी ग्लोबल की रिपोर्ट में कहा गया है कि मांग में तेजी और हाल के जीएसटी सुधारों ने कारोबारी गतिविधियों को बढ़ावा दिया, लेकिन प्रतिस्पर्धी दबाव और भारी बारिश ने गति को बाधित किया।

सर्वेक्षण से पता चला कि नए व्यावसायिक ऑर्डरों में तेजी से वृद्धि हुई, लेकिन पांच महीनों में यह सबसे धीमी गति से हुई। यह बढ़ती प्रतिस्पर्धा और बाढ़ व भूस्खलन जैसे मौसम संबंधी व्यवधानों के संयुक्त प्रभाव को दर्शाता है।

इनपुट लागत में 14 महीनों में सबसे धीमी वृद्धि हुई

एचएसबीसी की मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि भारत का सेवा क्षेत्र पीएमआई अक्तूबर में घटकर 58.9 पर आ गया, जो मई के बाद से विस्तार की सबसे धीमी गति को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि इसके बावजूद, पीएमआई अपने दीर्घकालिक औसत से काफी ऊपर बना हुआ है। साथ ही इनपुट लागत में 14 महीनों में सबसे धीमी वृद्धि हुई है, जिससे कंपनियों को कुछ राहत मिली है।

रोजगार के रुझान सकारात्मक रहे

रोजगार के रुझान मोटे तौर पर सकारात्मक रहे, क्योंकि सेवा प्रदाताओं ने नए व्यवसाय को समर्थन देने तथा डिलीवरी कार्यक्रम बनाए रखने के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों को नियुक्त किया। हालांकि, रोजगार सृजन की गति धीमी रही, जो 18 महीनों में संयुक्त रूप से सबसे धीमी गति थी। लगातार नियुक्तियों से लगभग चार वर्षों में पहली बार लंबित कार्यों में कमी आई।

भारतीय सेवाओं की अंतरराष्ट्रीय मांग में हुआ सुधार

मंदी के बावजूद, कंपनियों ने वृद्धि के प्रमुख चालकों के रूप में निरंतर मजबूत घरेलू मांग और प्रभावी विपणन का हवाला दिया। भारतीय सेवाओं की अंतरराष्ट्रीय मांग में भी सुधार हुआ व बाहरी बिक्री में भी वृद्धि हुई। हालांकि विस्तार की गति मार्च के बाद से सबसे कमजोर रही।

समग्र पीएमआई अक्तूबर में घटकर 60.4 पर आ गया

भविष्य की ओर देखते हुए, सेवा अर्थव्यवस्था में आशावाद बना रहा, जो मजबूत मांग, बेहतर विज्ञापन और प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण रणनीतियों की उम्मीदों पर आधारित था। फिर भी, समग्र आत्मविश्वास का स्तर तीन महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया। समग्र पीएमआई, जिसमें विनिर्माण और सेवा दोनों गतिविधियां शामिल हैं, भी सितंबर के 61.0 से थोड़ा कम होकर अक्तूबर में 60.4 पर आ गया, जो विनिर्माण में तेजी के बावजूद सेवाओं में मंदी को दर्शाता है।

इनपुल लागत मुद्रास्फीती अपने निचले स्तर पर पहुंची

सर्वेक्षण में बताया गया है कि इनपुट लागत मुद्रास्फीति एक साल से भी ज्यादा समय में अपने सबसे निचले स्तर पर आ गई है, जिसमें आंशिक रूप से जीएसटी से जुड़े सुधारों का भी योगदान है। इससे लागत का बोझ कुछ हद तक कम हुआ है। नतीजतन, बिक्री मूल्य सात महीनों में सबसे धीमी गति से बढ़े, जिससे व्यवसायों और उपभोक्ताओं, दोनों को राहत मिली।

रूसी कच्चे तेल आयात में कटौती करेगा भारत

प्रतिबंधों के बीच भारतीय रिफाइनर रोक देंगे सीधी खरीद

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत नवंबर के अंत से रूस से कच्चे तेल की सीधी खरीद में कटौती करने जा रहा है। इससे नवंबर के अंत से भारत में रूसी कच्चे तेल का आयात घट सकता है।यह कदम रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों पर 21 नवंबर से लागू होने वाले नए अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद उठाया जा रहा है। विश्लेषकों का कहना है कि भारत के कुल रूसी तेल आयात में आधे से अधिक हिस्सा रखने वाली भारतीय रिफाइनरी कंपनियां नए अमेरिकी प्रतिबंधों के अनुपालन में रूसी तेल की प्रत्यक्ष खरीद में कटौती कर सकती हैं। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, मंगलौर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स और एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी शामिल हैं।

दरअसल, अमेरिका ने रूस की दो तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर 21 नवंबर से कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। इसके तहत इन कंपनियों की सभी अमेरिकी संपत्तियों और वित्तीय लेनदेन पर रोक लगा दी गई है। इसके अलावा, अन्य देशों की संस्थाएं भी अगर इनके साथ बड़े लेनदेन करती हैं तो उन पर भी द्वितीयक प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।

रूसी कच्चे तेल की खेप में दिखेगी गिरावट: नौवहन सूचना फर्म केप्लर के प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा, 21 नवंबर के बाद रूसी कच्चे तेल की खेपों में गिरावट दिखेगी, क्योंकि अधिकांश भारतीय रिफाइनरी अमेरिकी प्रतिबंधों का पालन करते हुए रोसनेफ्ट और लुकोइल से सीधी खरीद घटाएंगी या रोक देंगी।

दिसंबर में तेजी से घटेगा आयात अन्य देशों से खरीदारी पर जोर: रितोलिया ने कहा, दिसंबर में रूसी तेल की आपूर्ति में तेज गिरावट आ सकती है, जबकि 2026 के शुरुआती दौर में यह स्थिति नए व्यापारिक माध्यमों और वैकल्पिक मार्गों के जरिये धीरे-धीरे सामान्य हो सकती है। घटते रूसी आयात की भरपाई के लिए भारतीय रिफाइनरी कंपनियां पश्चिम एशिया, लैटिन अमेरिका, पश्चिम अफ्रीका, कनाडा और अमेरिका से खरीदारी बढ़ा रही हैं।भारत ने अक्तूबर में अमेरिका से प्रतिदिन 5.68 लाख बैरल क्रूड आयात किया, जो मार्च, 2021 के बाद सर्वाधिक है। आपूर्ति समझौता है।मंगलौर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स और एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी ने भी रूसी तेल की भविष्य की खेप रोकने की घोषणा की है। हालांकि, रोसनेफ्ट की आंशिक हिस्सेदारी वाली नायरा एनर्जी की वाडिनार रिफाइनरी (गुजरात) मौजूदा रूसी तेल खरीद तरीके को बनाए रखेगी। 2025 की पहली छमाही में भारत ने रूस से 18 लाख बैरल प्रतिदिन क्रूड आयात किया।

अमेजन इंडिया ने वेयरहाउस स्टोरेज शुल्क में 11 प्रतिशत बढ़ोतरी की, जानें इसका विक्रेताओं पर क्या असर पड़ेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉमर्स दिग्गज अमेजन इंडिया ने अपनी वेयरहाउस स्टोरेज फीस में लगभग 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। नई दर 15 नवंबर, 2025 से लागू होगी और अब यह 50 प्रति घन सेंटीमीटर प्रति माह होगी। कंपनी ने कहा कि शुल्क वृद्धि का उद्देश्य बाजार के अनुरूप समायोजन और बढ़ती परिचालन लागतों को ध्यान में रखना है। अमेजन ने 2023 के बाद पहली बार स्टोरेज शुल्क में बदलाव किया है। इसके अलावा, इस साल कंपनी ने 300 तक कीमत वाले 1.2 करोड़ से अधिक कम मूल्य वाले उत्पादों पर रेफरल फीस समाप्त कर दी थी। 300 से 500 तक के उत्पादों, जैसे बेडशीट, घड़ियां, होम फर्निशिंग और एथनिक वियर पर शुल्क केवल 1 प्रतिशत या उससे कम कर दिया गया था। वहीं, उच्च मूल्य वर्ग जैसे फैशन और छोटे उपकरणों पर शुल्क में 7 प्रतिशत तक की कमी लागू की गई है। अमेजन ने कहा कि 2025 में उसकी कुल शुल्क वृद्धि दर में काफी कमी आई है, लेकिन कई विक्रेताओं ने बढ़ती लागत और बार-बार होने वाले संशोधनों पर चिंता व्यक्त की। व्यापारियों ने कहा कि भंडारण और अन्य शुल्कों में बार-बार बढ़ोतरी से कम रेफरल शुल्क का लाभ कम हो रहा है, और कुछ का दावा है कि नवीनतम बदलावों से पहले उनसे सलाह नहीं ली गई। पुणे के एक विक्रेता ने कहा कि अमेजन अब हर छह महीने में शुल्क संरचना में संशोधन कर रहा है और विक्रेताओं से परामर्श नहीं कर रहा है। वे कहते रहते हैं कि यह विक्रेताओं के हित में है।

युवाओं नई कार्यसंस्कृति: बेहतर तनख्वाह और मन मुताबिक नौकरी की मांग पर अड़ी

- 82 प्रतिशत एआई को लेकर उत्साहित
- लचीलापन, उद्देश्य और संतुलित जीवनशैली को प्राथमिकता दे रहे हैं

नई दिल्ली, एजेंसी।
जेन-जी, आज दुनिया में चर्चा का सबसे गर्म मुद्दा बन चुके हैं। लेकिन सवाल यह है कि आखिर क्यों? वजह है उनके सोचने का अलग तरीका, उनकी मांग और पसंद। यह पीढ़ी स्थापित मानकों पर सवाल उठाने वाली और बदलाव को नए नजरिए से देखने वाली है। इसी बीच रैंडस्टैड इंडिया की ताजा रिपोर्ट द जेन-जी वर्कप्लेस ब्लूप्रिंट ने बताया है कि यह नई पीढ़ी अपने ऑफिस से क्या चाहती है और किन हालातों से बिल्कुल भी समझौता नहीं करना चाहती है।

युवा पेशेवर की प्राथमिकताएं: रिपोर्ट के मुताबिक भारत में युवा पेशेवर अपने करियर विकल्पों पर पुनर्विचार कर रहे हैं। वे अब नौकरी चुनते समय सिर्फ अच्छी सैलरी ही नहीं, बल्कि लचीलापन, उद्देश्य और संतुलित जीवनशैली को प्राथमिकता दे रहे हैं।

यह रिपोर्ट 750 भारतयी युवाओं पर आधारित सर्वे से तैयार की गई है। इसमें उनके कार्य संबंधी प्राथमिकताओं, करियर दृष्टिकोण, रिटेंशन फैक्टर्स, एआई व सीखने के नजरिए का विश्लेषण किया गया है। रिटेंशन फैक्टर्स, वे कारक हैं जो कर्मचारियों या ग्राहकों को किसी संगठन को छोड़ने से रोकते हैं। रैंडस्टैड इंडिया के एमडी और सीईओ विश्वनाथ पीएस ने कहा कि जो नियोक्ता आजीवन सीखने, समावेशिता और लचीलापन अपने कार्यस्थल में शामिल करेंगे, वे न केवल इस पीढ़ी की प्रतिभा को आकर्षित और बनाए रखेंगे, बल्कि भविष्य के लिए तैयार संगठनों का निर्माण करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की कार्यशक्ति में इस पीढ़ी की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है, ऐसे में कंपनियों को अपनी टैलेंट रणनीतियों, कार्यसंस्कृति और कर्मचारी जुड़ाव के तरीकों में तेजी से बदलाव लाने की जरूरत है। रैंडस्टैड डिजिटल इंडिया के प्रबंध निदेश मिलिंद शाह ने कहा कि भारतीय जेन जी का फुल-टाइम जॉब के साथ साइड हसल यानी फुल-टाइम नौकरी के साथ-साथ अतिरिक्त काम को प्राथमिकता देना। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री को अब ऐसी संस्कृति बनानी होगी, जो तकनीकी दक्षता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता दोनों को साथ लेकर चले। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि 82 प्रतिशत जेन-जी कार्यस्थल पर एआई के इस्तेमाल को लेकर उत्साहित हैं, और 83 प्रतिशत पहले से ही समस्या-समाधान के लिए एआई टूल्स का उपयोग कर रहे हैं। हालांकि, 44 फीसदी युवाओं ने एआई के कारण भविष्य में नौकरियों पर पड़ने वाले असर को लेकर चिंता भी जताई है।

जेन-जी के लिए लचीलापन की परिभाषा

अध्ययन के अनुसार, जेन-जी के लिए लचीलापन सिर्फ घर से काम करने या ऑफिस टाइम में ढील भर नहीं है बल्कि इसका मतलब है अपनी सुविधा और जीवनशैली के हिसाब से काम करने की आजादी। वे ऐसी नौकरियां चाहते हैं जहां समय, लोकेशन और काम करने के तरीके में आजादी मिले। नके लिए यह मायने रखता है कि वे अपनी उत्पादकता के हिसाब से काम कर सकें, न कि सख्त दफ्तर की घड़ी के अनुसार। इसके अलावा, यात्रा के अवसर और विदेश से रिमोट वर्क करने की सुविधा भी युवा पेशेवरों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। जो कंपनियां इस संतुलन को अपनाएंगी, वे अगली पीढ़ी के शीर्ष तकनीकी प्रतिभाओं को हासिल करेंगी।

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता दोनों देशों के लिए बड़े अवसर खोलेगा : गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर चर्चा कर रहे हैं। भारत की तरफ से केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल न्यूजीलैंड के दौरे पर हैं। दोनों पक्ष समझौते से जुड़ी वार्ता को जल्द पूरा करना चाहते हैं। संभावना जताई जा रही है कि अगले कुछ महीने में समझौते पर अंतिम सहमति बन सकती है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का कहना है कि यह समझौता दोनों पक्षों के लिए बड़े अवसर खोलेगा। उन्होंने कहा कि यह सौदा जल्दबाजी में नहीं, बल्कि सभी संवेदनशील मुद्दों पर विचार के बाद होगा।

गौरतलब है कि दोनों पक्षों के वार्ताकार पिछली बैठकों में हुई प्रगति को आगे बढ़ाने और लंबित मुद्दों पर सहमति बनाने की दिशा में सकारात्मक चर्चा कर रहे हैं। समझौता संतुलित, व्यापक और परस्पर लाभकारी साझेदारी पर केंद्रित होगा, जिससे दोनों पक्षों को लाभ होगा। हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार में तेजी से वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल व्यापार 1 अरब 30 करोड़ डॉलर तक पहुंच गया है। यह उससे पहले वित्त वर्ष की तुलना में 48 फीसदी अधिक रहा है।

प्रस्तावित समझौते के तहत व्यापार और निवेश की संभावनाएं बढ़ेंगी और आपूर्ति श्रृंखला में सुधार होगा। समझौते के तहत लक्ष्य रखा गया है कि दोनों पक्षों के बीच व्यापार अगले 10 वर्षों में दोगुना से

अधिक की बढ़ोतरी होगी। इसलिए दोनों पक्ष समझौते से जुड़े वार्तो को तेजी से आगे बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लकसन ने कहा है कि भारत और न्यूजीलैंड की समृद्धि, सुरक्षा और सामाजिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण देश है। ऑकलैंड में आयोजित एक कार्यक्रम में वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के व्यापार मंत्री टॉड मैक्ले के साथ प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर ने हिस्सा लिया।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच बढ़ते सहयोग से न केवल व्यापारिक संबंध मजबूत होंगे, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता और नवाचार को भी प्रोत्साहन मिलेगा। दोनों देश मुक्त व्यापार समझौते पर तेजी से काम कर रहे हैं। इस समझौते से न्यूजीलैंड के व्यवसायों को भारतीय बाजार में विशाल अवसर प्राप्त होंगे।

सरकारी बैंकों को सितंबर तिमाही में रिकॉर्ड 49,546 करोड़ का मुनाफा

दो बैंकों के लाभ में कमी

नई दिल्ली, एजेंसी।
एसबीआई की अगुवाई में सरकारी बैंकों ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की सितंबर तिमाही में रिकॉर्ड 49,546 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है। यह सालाना आधार पर 9 फीसदी अधिक है। हालांकि, इस दौरान दो बैंकों के मुनाफे में कमी भी दर्ज की गई। 12 बैंकों को सितंबर, 2024 की समान तिमाही में 45,547 करोड़ का लाभ हुआ था। इस तरह, इस बार यह 3,909 करोड़ रुपये से ज्यादा है। वित्तीय नतीजों से पता चलता है कि 12 बैंकों के कुल मुनाफे में 20,160 करोड़ रुपये के साथ अकेले एसबीआई की हिस्सेदारी 40 फीसदी रही।इसका लाभ सालाना आधार पर 10 फीसदी बढ़ा है। फीसदी के लिहाज से इंडियन ओवरसीज बैंक का लाभ सबसे

अधिक 58 फीसदी बढ़कर 1,226 करोड़ रुपये पहुंच गया। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया 33 फीसदी बढ़त के साथ दूसरे स्थान पर रहा। इसे 1,213 करोड़ का मुनाफा हुआ। बैंकों के कारोबार में भी तेज वृद्धि हुई है। एसबीआई का कारोबार जहां 100 लाख करोड़ हो गया, वहीं पंजाब नेशनल बैंक का 27.86 लाख करोड़ रुपये हो गया । 26.79 लाख करोड़ के साथ केनरा तीसरे स्थान पर है। यूनियन बैंक का कारोबार 22 लाख करोड़ के पार है। सार्वजनिक क्षेत्र के सभी 12 बैंकों ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में सालाना आधार पर 11 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ44,218 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था।एक साल पहले की समान तिमाही में इन बैंकों को 39,974 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआथा।सितंबर, 2025 को समाप्त पहली छमाही में इन बैंकों का कुल लाभ पहली बार 90,000 करोड़ रुपये को पार कर गया।

बड़े बैंकों का कम बढ़ा लाभ

सितंबर तिमाही के दौरान बड़े बैंकों के मुनाफे की वृद्धि की रफ्तार धीमी रही।उदाहरण के तौर पर, केनरा बैंक, पंजाब नेशनल बैंक और इंडियन बैंक के फायदे में क्रमशः 19 फीसदी, 14 फीसदी एवं 12 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, बैंक ऑफ महाराष्ट्र और पंजाब एंड सिंध बैंक के लाभ में 23 फीसदी की तेजी आई। हालांकि, बैंक ऑफ इंडिया का फायदा 8 फीसदी और यूको बैंक का केवल तीन फीसदी ही बढ़ा।

दो बैंकों के मुनाफे में गिरावट

चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही के दौरान बैंक ऑफ बड़ौदा और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को छोड़कर सभी 12 सरकारी बैंकों के मुनाफे में तेजी दर्ज की गई।इस अवधि में बैंक ऑफ बड़ौदा का शुद्ध लाभ 8 फीसदी घटकर 4,809 करोड़ रुपये रह गया। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का शुद्ध लाभ 10 फीसदी कम होकर 4,249 करोड़ रुपये रह गया।

न्यूज डायरी

हम सभी चाहते हैं कि भारत हिंदू राष्ट्र बने- कुलभूषण गोयल

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। पंचकूला के महापौर कुलभूषण गोयल ने दिल्ली से वृंदावन तक निकाली जा रही 'सनातन एकता पदयात्रा' में शामिल होने वाले भक्तों की बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह बस कुलभूषण गोयल की ओर से भक्तों के लिए निशुल्क यात्रा हेतु उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर महापौर गोयल ने कहा कि बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेन्द्र शास्त्री महाराज की यह पदयात्रा किसी धर्म के विरोध में नहीं है। यह ईसाई या मुस्लिम समुदाय के खिलाफ नहीं, बल्कि हिंदू समाज को जागृत करने का आह्वान है। उन्होंने कहा, "हम चाहते हैं कि भारत एक विचारों से ओतप्रोत हिंदू राष्ट्र बने, जहां जाति या धर्म के नाम पर कोई विवाद न हो। यह यात्रा अगली पीढ़ी को अपनी सनातन संस्कृति से जोड़ने का प्रयास है।" महापौर ने कहा कि यह यात्रा जातिवाद से ऊपर राष्ट्रवाद का संदेश देती है। उन्होंने बताया कि यह यात्रा 7 नवंबर को छतरपुर से प्रारंभ होकर 16 नवंबर को वृंदावन पहुंचेगी, और सिख परंपरा को भी विशेष रूप से समर्पित रहेगी। यात्रा के 10वें दिन इसे गुरु तेग बहादुर जी को समर्पित किया जाएगा। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष अजय मित्तल, पार्षद जय कौशिक, सुरेश वर्मा, उमेश सूद, सुखबीर पुनिया, एस.के. भारद्वाज, अमरिंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

- **महापौर कुलभूषण गोयल ने 'सनातन एकता पदयात्रा' के लिए भक्तों की बस को दिखाई हरी झंडी**

तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ संपन्न

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। नगराधीश व जनगणना 2027 की नोडल अधिकारी जागृति ने बताया कि जनगणना 2027 प्री-टेस्ट के लिए पंचकूला जिले के कालका तहसील को चुना गया है। इस संबंध में तैयारियों के तहत 50 प्रगणको एवं पर्यवेक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 4 से 6 नवम्बर 2025 तक जनगणना कार्य निदेशालय, हरियाणा के अधिकारियों के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। उन्होंने बताया कि देश में भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त कार्यालय द्वारा जनगणना 2027 प्री-टेस्ट का आयोजन 10 नवम्बर से 30 नवम्बर 2025 तक किया जाना है, जिसके लिए हरियाणा राज्य के 3 जिलों को चयनित किया गया है जिसमें पंचकुला जिले की तहसील कालका के 12 गाँवों को इसमें सम्मिलित किया गया है। जनगणना 2027 प्री टेस्ट के लिए तहसीलदार, कालका को चार्ज अधिकारी नियुक्त किया गया है।

जम्मू मंडल के कठुआ रेलवे स्टेशन से आज़रा तक 52 टन कागज लोड किया

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। उत्तर रेलवे में जम्मू मंडल के गठन के बाद, मंडल रेल प्रबंधक, श्री विवेक कुमार और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, श्री उचित सिंघल द्वारा माल ढुलाई नीति के अंतर्गत विभिन्न पहल की जा रही हैं, जिनका उद्देश्य रसद लागत को कम करना और छोटे व्यवसायों के लिए माल परिवहन को सुलभ बनाना है। 5 नवंबर, 2025 को, कुल 52 टन वजन वाले 952 कागज़ के बंडलों और पेपर रोल से लदा एक बीसीएन वैगन, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे पर, असम के गुवाहाटी में रंगिया मंडल के आज़रा रेलवे स्टेशन के लिए जम्मू मंडल के कठुआ रेलवे स्टेशन से 1.28 लाख की माल ढुलाई दर पर रवाना हुआ। यह माल परिवहन में एक महत्वपूर्ण कदम है। जम्मू मंडल व्यापारिक समुदाय को रेल माल परिवहन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है, जिससे माल परिवहन को बढ़ावा मिलेगा और रेलवे राजस्व में वृद्धि होगी। इससे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, श्री उचित सिंघल ने बताया, ' कि माल ढुलाई नीति के तहत, मंडल की माल ढुलाई क्षमता में वृद्धि होगी, जिससे देश भर में माल की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित होगी और रेलवे का बुनियादी ढांचा मजबूत होगा। उन्होंने बताया, कि इससे पहले, 23 जुलाई, 2025 को, लगभग 46 टन वजनी एक बीसीएन जम्मू मंडल के कठुआ रेलवे स्टेशन से असम के गुवाहाटी में रंगिया मंडल के आज़रा रेलवे स्टेशन भेजा गया था। जम्मू मंडल सभी व्यापारिक समुदायों को रेलवे का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है ताकि वे आसानी से और कम लागत में अपने माल को देश के विभिन्न हिस्सों में रेल के माध्यम से पहुँचा सकें, जिससे उनके व्यवसाय को बढ़ावा मिले।

उपायुक्त ने एचएसवीपी को सैक्टर 21 से मलबा हटवाने के दिए निर्देश

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने अधिकारियो को दिए सख्त निर्देश, सभी अधिकारी गंभीरता से व तय समय सीमा में समाधान शिविर में आई हुई जिलावासियों की समस्याओं का करें समाधान।

श्री सतपाल शर्मा ने सैक्टर-21 के श्री वेदपाल की सैक्टर से मलबा हटवाने और सडक की मुरम्मत करवाने की मांग पर संज्ञान लेते हुए एचएसवीपी को मौके का मुआयना कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने व मलबा हटवाने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिले में सोमवार व वीरवार को कार्यदिवस के दिन प्रातः 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर का लघु सचिवालय के सभागार में आयोजन किया जा रहा है।

हरियाणा सरकार की महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की मुहिम में साथ आई एसएसीसी संस्था

अतिरिक्त उपायुक्त श्रीमती निशा यादव ने किया पंचकूला 'उड़ान' कार्यक्रम का शुभारंभ

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार की महिला सशक्तिकरण की मुहिम को आगे बढ़ाते हुए पंचकूला जिला में आज एक संस्था के सहयोग से 'उड़ान' कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इस महत्वपूर्ण पहल का उद्घाटन पंचकूला की अतिरिक्त उपायुक्त श्रीमती निशा यादव ने किया।

हरियाणा राज्य में महिला श्रम बल भागीदारी दर को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की अत्यंत संभावनाएँ हैं। इसी क्रम में, पंचकूला जिला अब स्वरोजगार शुरू करने व सरकारी उद्योग योजनाओं का लाभ उठाने वाली महिलाओं की संख्या बढ़ाने पर विशेष ज़ोर दे रहा है।

इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम लेते हुए एसएसीसी संस्था ने डीएलएफ के संस्थापक के पी सिंह की फाउंडेशन के साथ मिलकर 'उड़ान' कार्यक्रम की शुरुआत की जिसका शुभारंभ पंचकुला की अतिरिक्त उपायुक्त श्रीमती निशा यादव के द्वारा किया गया।

'उड़ान' हरियाणा प्रदेश में अगले एक साल में कम से कम 10,000 महिलाओं को उद्यमिता के लिए प्रेरित करते हुए, 2,000 महिलाओं को उद्यमिता, डिजिटल साक्षरता और वित्तीय स्वतंत्रता में प्रशिक्षित करने के लिए डिज़ाइन की गई है। इसके पहले चरण में उन महिलाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा जिनके पास व्यावसायिक विचार, घर-आधारित गतिविधियाँ या छोटे उद्यम हैं, जिनमें कारीगरों और होम शेफ से लेकर ब्यूटीशियन, सेवा प्रदाताओं और अन्य होमप्रेन्योर शामिल हैं।

अपने विचार साँझा करते हुए अतिरिक्त उपायुक्त श्रीमती निशा यादव ने कहा की यह कार्यक्रम महिलाओं में आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह न केवल सफल महिला उद्यमी बनाएगा, बल्कि समाज के लिए महत्वपूर्ण रोल मॉडल बनकर उभरेगा।

यह कार्यक्रम नए उद्यम बनाकर, गरीबी कम करके और महिला स्नातकों के लिए महिला श्रम बल भागीदारी दर व महिला-नेतृत्व वाले एमएसएमई की संख्या बढ़ाकर यूनाइटेड नेशंस के प्रमुख सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स पर जिले के प्रदर्शन को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देने का काम करेगा।

नगर निगम आयुक्त अमित कुमार ने बदली शहर की फिजा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। कंगाली का दंश झेल रहे चंडीगढ़ शहर को नगर निगम आयुक्त अमित कुमार ने वित्तीय प्रबंधन क्षमता के कारण शहर को एक नई संजीवनी देने का कार्य किया है। उनके इस अनूठे प्रयास से शहर के विकास को गति तो मिला ही , साथ में हजारों लोगों के चूल्हे फिर से जल उठे , जो हमेशा के लिए बुझाने की कगार पर थे । आयुक्त अमित कुमार की कार्यशाली का डंका पूरे शहर में बज रहा है। उन्होंने अपनी कुशलता से कर्मचारी से लेकर अधिकारी तक को एकता के सूत्र में परो कर एवं एकजुटता के साथ वह कार्य कर दिखाया जो देखने में असंभव नजर आ रहा था। एक उल्लेखनीय विकास में, नगर निगम आयुक्त ने निगम के वित्तीय संचालन को समर्थन देने के लिए सहायता अनुदान की मांग की थी। अनुरोधित अनुदान पर कोई जवाब या मंजूरी नहीं मिलने के बावजूद, आयुक्त ने निगम के वित्त का कुशलतापूर्वक प्रबंधन किया। सुदृढ़ वित्तीय प्रबंधन के माध्यम से, आयुक्त यह सुनिश्चित करने में सफल रहे कि सभी दायित्वों का भुगतान किया गया और सभी बकाया समय पर चुकाए गए। इसमें हर महीने की नियत तारीख पर कर्मचारियों को वेतन का भुगतान, ठेकेदार भुगतान के बिल, चिकित्सा दावे और बकाया का 2-3 दिनों के भीतर भुगतान शामिल है। एमसी ने विकास कार्य के लिए संशोधित अनुमानों (आरई) 2025-26 में पूंजी शीर्ष के तहत 245.00 करोड़ की मांग की थी। सहायता अनुदान की अनुपस्थिति के बावजूद, आयुक्त के प्रयासों ने उपलब्ध निधियों के प्रबंधन में यह सुनिश्चित किया कि निगम के वित्तीय दायित्व बिना किसी रुकावट के पूरे किए गए प्रशासन भी निगम आयुक्त अमित कुमार की ईमानदारी मेहनत को देखते हुए उन्होंने हर संभव सहायता और अधिक फंड की देने की बात कही है जिस किसी तरह का आम जन को परेशानी का सामना ना करना पड़े यह उपलब्धि आयुक्त की वित्तीय प्रबंधन क्षमता को रेखांकित करती है।

पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने किया अटल बिहारी वाजपेयी जिला गली क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। पंजाब के राज्यपाल एवं यू.टी. चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने आज सेक्टर-3 स्थित ताऊ देवी लाल खेल स्टेडियम में प्रथम भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जिला गली क्रिकेट टूर्नामेंट का विधिवत शुभारंभ किया। छह दिन तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में कुल 116 टीमें भाग ले रही हैं।

इस अवसर पर राज्यपाल ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और स्वयं मैदान में उतरकर खेल के कुछ पल उनके साथ साझा किए, जिससे खिलाड़ियों का उत्साह और मनोबल बढ़ा। उनके साथ हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष एवं स्पोर्ट्स प्रमोशन सोसाइटी के चेयरमैन श्री ज्ञानचंद गुप्ता भी उपस्थित रहे।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए श्री कटारिया ने नशामुक्त पंचकूला और नशामुक्त हरियाणा के संकल्प के साथ इस गली क्रिकेट टूर्नामेंट के आयोजन के लिए स्पोर्ट्स प्रमोशन सोसाइटी की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता ग्रामीण और शहरी युवाओं को खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने का एक सशक्त मंच प्रदान कर रही है।

राज्यपाल ने कहा कि इस टूर्नामेंट का आयोजन ऐसे महान व्यक्तित्व के नाम पर किया जा रहा है, जो न केवल एक कवि और साहित्यकार थे, बल्कि सच्चे राष्ट्रभक्त थे। श्री अटल बिहारी वाजपेयी का पूरा जीवन देश सेवा को समर्पित रहा। श्री कटारिया ने कहा कि उन्हें स्वयं भी अटल जी के साथ लंबे समय तक कार्य करने और सीखने का अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस टूर्नामेंट के माध्यम से युवा न केवल अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करेंगे, बल्कि अटल जी के जीवन से प्रेरणा भी प्राप्त करेंगे।

राज्यपाल ने कहा कि पंजाब और हरियाणा ने खेलों के क्षेत्र में देश का गौरव राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया है। हाल ही में महिला विश्व कप क्रिकेट जीतने वाली भारतीय टीम को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि इस टीम की चार खिलाड़ी पंजाब और हरियाणा से हैं, जो गर्व की बात है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खेलो इंडिया और फिट इंडिया जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से देश की युवा पीढ़ी को स्वाभिमान और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने की दिशा में प्रेरित किया जा रहा है। भारत में वर्ष 2036 के ओलंपिक खेलों की तैयारियां भी अभी से प्रारंभ कर दी गई हैं। राज्यपाल ने कहा कि देश में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, बस उन्हें सही दिशा और अवसर प्रदान करने की आवश्यकता है। उन्होंने अभिभावकों से आह्वान किया कि वे बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी प्रोत्साहित करें, ताकि वे स्वस्थ रहकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकें।

सांसद कार्तिकेय शर्मा ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर पंचकूला की तीन अहम सड़क परियोजनाओं पर की चर्चा

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर पंचकूला जिला से जुड़ी तीन अहम सड़क-संबंधी समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की।

उन्होंने बताया कि पिंजौर–नालागढ़ फोरलेन (NH-105) की स्थिति खराब है । यह राष्ट्रीय राजमार्ग हरियाणा को हिमाचल प्रदेश से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण औद्योगिक मार्ग है। इस सड़क की कई जगहों पर स्थिति बेहद खराब है, विशेष रूप से पिंजौर और सुखोमाजरी के पास बड़े गड्ढे और टूटी परतों के कारण वाहनों की आवाजाही मुश्किल हो गई है। सांसद कार्तिकेय शर्मा ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से अनुरोध किया कि NHAI को तत्काल मरम्मत और सुदृढ़ीकरण कार्य के लिए निर्देशित किया जाए, ताकि सड़क सुरक्षा और यातायात दोनों सुचारू हो सकें।

सांसद कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि मौली–बगवाली (NH-344) पर प्रकाश व्यवस्था का अभाव है। इस सड़क खंड पर स्ट्रीट लाइट बिल्कुल नहीं हैं, जबकि यहाँ से रोज़ाना औद्योगिक और स्थानीय ट्रैफिक का भारी दबाव रहता है। रात के समय पूरा क्षेत्र अंधकार में रहता है, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है।

उन्होंने सुझाव दिया कि इस हिस्से में प्रकाश व्यवस्था स्थापित करने के लिए एक विशेष प्रोजेक्ट तैयार किया जाए, ताकि सड़क सुरक्षा और दृश्यता दोनों में सुधार हो सके।

सांसद कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि हिमालयन एक्सप्रेस हाईवे (पिंजौर बाइपास) के निर्माण के दौरान NHAI द्वारा उचित रिटेनिंग वॉल्स नहीं बनाई गईं, जिसके चलते सड़क के किनारे बसे कई घरों की नींव कमजोर हो चुकी है।हाल की बारिश में कई दीवारें गिर गई हैं और मिट्टी खिसकने से लोगों की ज़िंदगी खतरे में है। सांसद ने केंद्रीय मंत्री से आग्रह किया कि NHAI को तुरंत तकनीकी सर्वेक्षण और नई रिटेनिंग वॉल्स के निर्माण के निर्देश दिए जाएँ ताकि आगे किसी भी प्रकार की जनहानि रोकी जा सके।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने तीनों विषयों को गंभीरता से लेते हुए मंत्रालय के अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि इन परियोजनाओं को जनहित और सुरक्षा की दृष्टि से प्राथमिकता में रखा जाएगा।

एनसीसी (आर्मी विंग) कैडेट कैडेट दीपनूर को सीडीएस (एनसीसी एंट्री) मे अखिल भारतीय रैंक 3

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला कॉलेज की एनसीसी (आर्मी विंग) कैडेट दीपनूर ने अपने मातृ संस्थान का नाम रोशन करते हुए संयुक्त रक्षा सेवा (सीडीएस) परीक्षा (एनसीसी एंट्री-महिला) में अखिल भारतीय रैंक 3 हासिल की और चेन्नई स्थित ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी (ओटीए) में प्रशिक्षण के लिए चुनी गईं। सेवा चयन बोर्ड (एसएसबी) में शामिल 1,000 से ज़्यादा महिला उम्मीदवारों में से दीपनूर शीर्ष उपलब्धि हासिल करने वालों में शामिल रहीं। दीपनूर की यह उत्कृष्ट उपलब्धि न केवल कॉलेज के लिए, बल्कि माई भागो आर्म्ड फोर्सेस प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट, मोहाली और 1 चंडीगढ़ गर्ल्स बटालियन के लिए भी गर्व की बात है, जिन्होंने उनके एनसीसी कार्यकाल के दौरान उनके प्रशिक्षण और मार्गदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यवाहक प्रधानाचार्या श्रीमती नीना शर्मा ने कैडेट दीपनूर को उनकी असाधारण सफलता पर बधाई दी। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी यह उपलब्धि राष्ट्रीय कैडेट कोर के आदर्श वाक्य - 'एकता और अनुशासन' की सच्ची भावना को दर्शाती है और साहस और प्रतिबद्धता के साथ राष्ट्र की सेवा करने के लिए दृढ़ संकल्पित युवतियों के लिए एक सशक्त प्रेरणा का स्रोत है।

साकेत हेल्प फाउंडेशन ने शिर्डी साई मंदिर, बिटना रोड, पिंजौर में लगाया निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर

हिन्द जनपथ

पिंजौर/कालका। साकेत हेल्प फाउंडेशन की ओर से 6 नवम्बर (गुरुवार) को शिर्डी साई मंदिर, बिटना रोड, पिंजौर में सुबह 9:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में फैटी लीवर, गैस, कब्ज, जोड़ों का दर्द, यूरिक एसिड, शुगर, बी.पी., कोलेस्ट्रॉल, माइग्रेन, थायराइड, महिलाओं से संबंधित रोग, कमजोरी, बवासीर जैसी विभिन्न बीमारियों का आयुर्वेदिक समाधान उपलब्ध कराया गया।

कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता परवीन आहूजा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर साकेत हेल्प फाउंडेशन की ओर से उन्हें समाज सेवा के क्षेत्र में योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

साई मंदिर संचालक महेश रमोला ने बताया कि यह शिविर समाज सेवा की भावना से आयोजित किया गया ताकि आमजन को आयुर्वेद के माध्यम से स्वस्थ जीवन की दिशा मिल सके। शिविर में आयुर्वेदिक परामर्श पूर्णतः निःशुल्क रहा तथा आयुष विभाग से प्रमाणित आयुर्वेदिक दवाइयाँ रियायती दरों पर उपलब्ध कराई गईं। आर्थिक रूप से कमजोर और बेसहारा लोगों के लिए जीवनभर का निःशुल्क इलाज एवं दवाइयाँ भी दी जाएंगी। इस अवसर पर नब्ज देखकर फुल बॉडी चेकअप भी बिल्कुल मुफ्त किया गया। फाउंडेशन का उद्देश्य है कि कोई भी व्यक्ति पैसों की कमी के कारण इलाज से वंचित न रहे।

इंडियन प्रीमियर कबड्डी लीग के संस्थापक ने लगाए हरियाणा कैडर के आईएएस अधिकारी व उनकी पत्नी पर धोखाधड़ी, उत्पीड़न और पद के दुरुपयोग के आरोप

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। इंडियन प्रीमियर कबड्डी लीग (आईपीकेएल) के संस्थापक सोहन तुसीर और काया एंटरटेनमेंट के निदेशक सुरजीत कंवर द्वारा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर हरियाणा कैडर के आईएएस अधिकारी डी. सुरेश और उनकी पत्नी कांथि डी. सुरेश पर गंभीर आरोप लगाए है। तुसीर ने दोनों पर धोखाधड़ी, मानसिक उत्पीड़न, शारीरिक हमले और पद के दुरुपयोग के आरोप लगाते हुए कहा है कि वे इस पूरे मामले में मीडिया और कानूनी संस्थाओं के माध्यम से न्याय की लड़ाई लड़ेंगे।

सोहन तुसीर ने बताया कि वे वर्ष 2016 से कबड्डी को प्रोफेशनल स्तर पर ले जाने के लिए कार्यरत है और वर्ष 2024 में उन्होंने सोनी स्पोर्ट्स के साथ मिलकर इंडियन प्रीमियर कबड्डी लीग (आईपीकेएल) की शुरुआत की थी, लेकिन कांथि डी. सुरेश के शामिल होने के बाद इसमें कई अनियमितताएं सामने आई।

सोहन तुसीर ने बताया कि सुरेश ने उनसे संपर्क कर इंडियन प्रीमियर कबड्डी लीग और ग्लोबल प्रवासी कबड्डी लीग (महिला लीग) को मिलाकर एक बड़े मंच ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआईपीकेएल) बनाने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि इस साझेदारी के बाद कई वित्तीय अनियमितताएं सामने आई।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रायोजन और आय से जुड़ी पूरी वित्तीय जानकारी उनसे छिपाई गई और कांथि डी. सुरेश ने लीग के नाम और ब्रांड को अपने व्यक्तिगत स्वामित्व में दर्ज कराने का प्रयास किया। जब उन्होंने इस मामले को उठाया, तो उन्हें लीग से बाहर करने की कोशिश की गई। तुसीर का यह भी आरोप है कि उनके खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज कराए गए और पुलिस दबाव का इस्तेमाल कर उन्हें डराने की कोशिश की गई, जो कि पद के दुरुपयोग का स्पष्ट उदाहरण है।

उन्होंने दावा किया है कि उनके पास ईमेल, वित्तीय दस्तावेज़ और अनुबंधों की प्रतियां जैसे ठोस सबूत मौजूद है, जो उनके आरोपों को प्रमाणित करते है। तुसीर ने कहा कि जो कोई भी इस मामले में पारदर्शिता की मांग करता है, उसे दबाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे इस मामले को मीडिया, न्यायिक संस्थाओं और संबंधित मंत्रालयों के समक्ष लेकर जाएंगे, ताकि सच्चाई सामने आ सके और कबड्डी खेल की गरिमा बनी रहे।

इस मौके काया एंटरटेनमेंट के निदेशक सुरजीत कंवर ने कहा कि इंडियन प्रीमियर कबड्डी लीग का उद्देश्य कबड्डी खिलाड़ियों को एक पारदर्शी, निष्पक्ष और पेशेवर मंच प्रदान करना था लेकिन कुछ लोगों की अनैतिक गतिविधियां और पद का दुरुपयोग, इस प्रयास को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है। हम इस खेल की साख बचाने के लिए एकजुट है और सच्चाई को दबने नहीं देंगे।

तुससीर ने मीडिया, खेल समुदाय और सरकारी संस्थाओं से निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग की है। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा के मुख्यमंत्री से इस मामले में हस्तक्षेप कर पद का दुरुपयोग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की अपील की है।